राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 210
कालध्वनि
सुपर कमांडो ध्रुव
by अनुपम
Vinod

आवाजें! कभी सुनने में मनमोहक लगती हैं, कभी डरावनी। कभी कर्कश तो कभी मीठी। इंसान अपनी सारी जिन्दगी आवाजें सुनता रहता है, और जो आखिरी आवाज उसके कानों में पड़ती है, वह होती है. मौत की आहट...

काल ध्वनि

कथा: जॉली सिन्हा.
चित्र: अनुपम सिन्हा.
इंकिंग: विनोद कुमार, विट्ठल कांबले
सुलेख एवं रंग संयोजन: सुनील पाण्डेय.
सम्पादक: मनीष गुप्ता.

राजनगर की सीमा पर स्थित एक गुप्त लैब में-

हमारी दो साल की मेहनत सफल हुई कमांडर नताशा!

हम वायब्रेनियम बनाने में सफल हो गए हैं! वायब्रेनियम यानी वह बेमिसाल मेटल, जो ध्वनि ऊर्जा का प्रयोग हथियार की तरह कर सकती है!...

... यह ध्वनि ऊर्जा को सोख भी सकती है, और उसको घातक बनाकर छोड़ भी सकती है!

अब इंटरनेशनल टेरोरिस्ट मार्केट में यह खबर भेज दो, और नीलामी की तारीख तय कर लो!
इसी वक्त लैब के एक दूसरे हिस्से में -
मैडम ने ये मैसेज भेजा है! इसको तुरन्त पूरी लैब में ब्रॉडकास्ट करो! अर्जेंट!
संचार केंद्र
कैसेट पर तो मैसेज पहले कभी नहीं आया!
क्या है यह मैसेज... अरे!
तुम तो हमारे आदमी नहीं हो! कौन हो तुम?
तुम्हारी मौत का फरिश्ता!
पिटट
अब ये कैसेट मुझे खुद ही चलानी पड़ेगी!
और फिर थोड़ी ही देर बाद - लैब के हर कोने में संगीत लहरी गूंजने लगी-
म्यूजिक! मैडम ने तो म्यूजिक चलाने पर सख्त पाबन्दी लगा रखी है!

तुझे क्या तकलीफ है? तुझे म्यूजिक सुनने से मतलब है...
... या कैसेट गिनने... से ssssss
खुर्रर्रर!
खर्रर्रर!
पूरी लैब में यही नज़ारा था! संगीत की मदहोश तरंगें, सभी को तुरन्त सुला दे रही थीं-
ये म्यूजिक किसने बजाया? कौन है ये गुस्ताख?
डॉक्टर चिंग!
अजीब सा संगीत है। सुनते ही मुझ पर नींद हावी हो रही है! कुछ गड़बड़ है!
सभी अपने कान बन्द करो! तुरन्त! और पोजीशन ले लो!...
... हम पर हमला होने वाला है!
गोलियों की गरज ने संगीत सम्मोहन को हल्का कर दिया-
ZZZZZZz

और रोबो गैंग के आदमियों की सुस्ती कुछ हद तक दूर हो गई-
घमासान युद्ध छिड़ गया-
लेकिन तरोताजा हमलावर, सुस्त रोबो गैंग पर हावी हो रहे थे-
इस मुकाबले का रुख अगर कोई पलट सकता था-
तो सिर्फ... कमांडर नताशा!
आतंकवाद सम्राट ग्रैंडमास्टर रोबो की बेटी-
अचूक निशानेबाज-
और दसवीं डिग्री ब्लैक बेल्ट धारक-
ताड़
ठक
हर वार में हड्डियों को कई टुकड़ों में तोड़ डालने की शक्ति भरी हुई थी-
हमलावरों की संख्या तेजी से कम हो रही थी-
लेकिन लड़ाई का यह बदला हुआ रुख-

एक बार फिर पलटने वाला था–
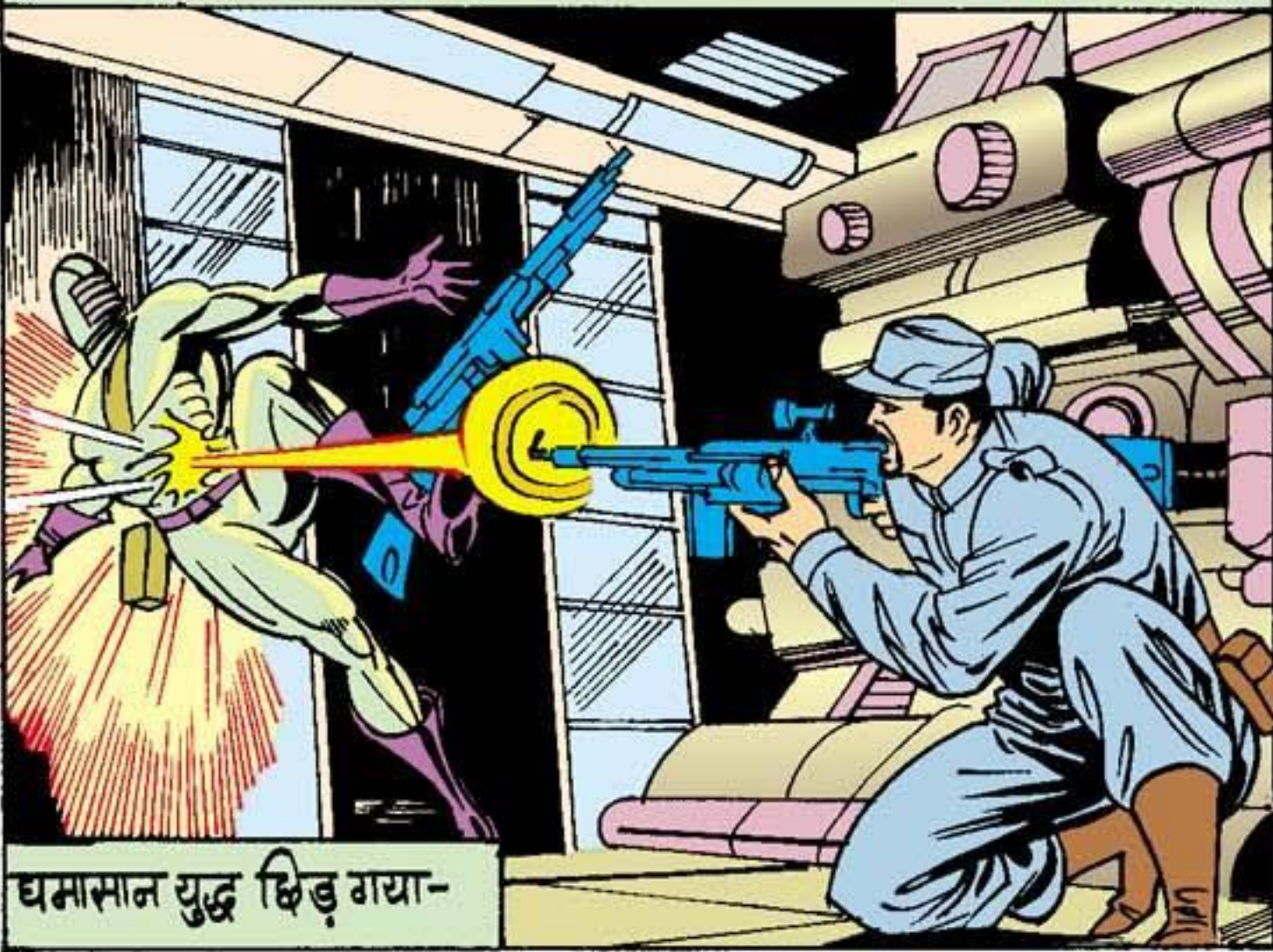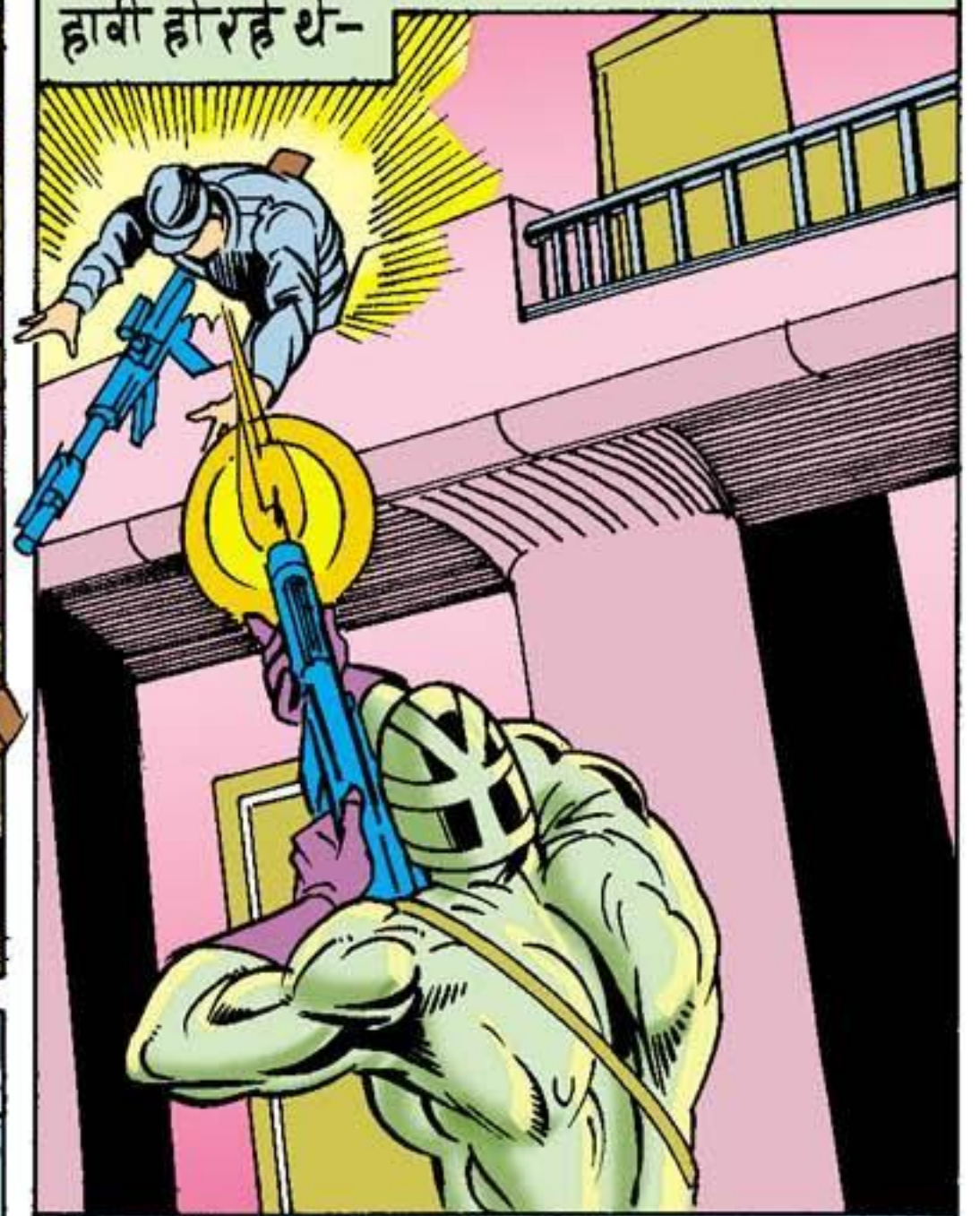
मुझे मालूम था, मेरे छछुंदर चूहों से तो लड़ लेंगे...

...लेकिन बिल्ली से नहीं जीत पाएंगे! इसीलिए बिल्ली से निपटने शेर आ गया है!...

...आ गया है ध्वनिराज! अपनी 'सोनिक-कैनन' के साथ!
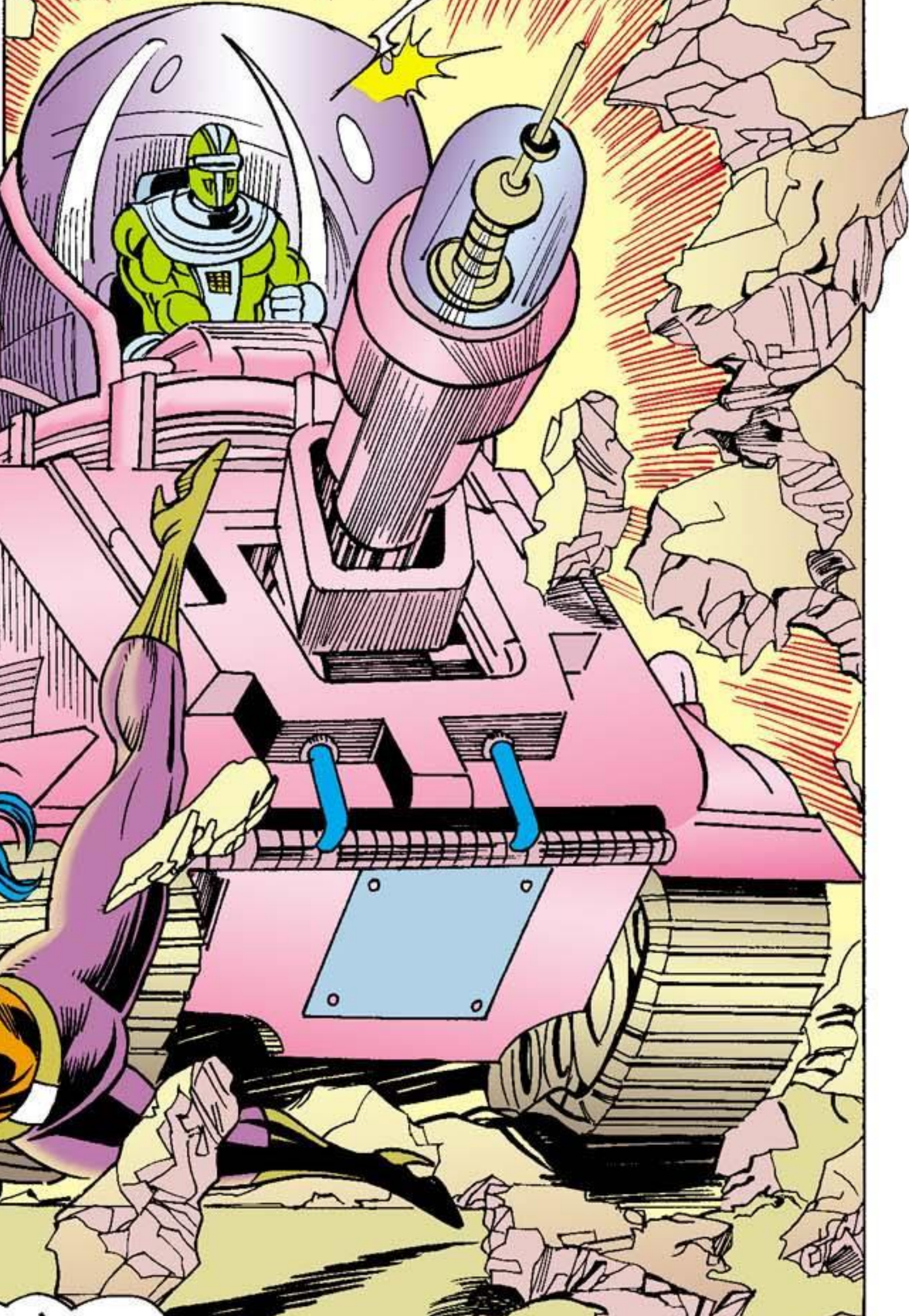
ध्वनिराज! इसके बारे में ध्रुव ने मुझे एक बार बताया था! यह अपने अपराध ध्वनि की मदद से करता है!

यह यहां पर जरूर वायब्रेनियम लेने आया होगा! लेकिन इसको हमारे अत्यन्त गुप्त प्रोजेक्ट की खबर मिली कैसे?

अब इसके पास न तो जान रहेगी और न ही रहेगा इसके वैज्ञानिकों द्वारा बनाया गया वंडर मेटल वायब्रेनियम!
कड़म मम-म मम
शीघ्र ही नताशा चारों तरफ से घिर चुकी थी-
न तो भागने का रास्ता बचा था, और न ही जान बचाने का कोई उपाय-
सैनिक केनन का एक हल्का सा धमाका ही उसकी हड्डियों को चूर-चूर कर सकता था-
लेकिन ऐसा हुआ नहीं-
कौन? कौन है जिसने शेर ध्वनिराज के जबड़ों से उसका शिकार छीनने की हिम्मत की है?
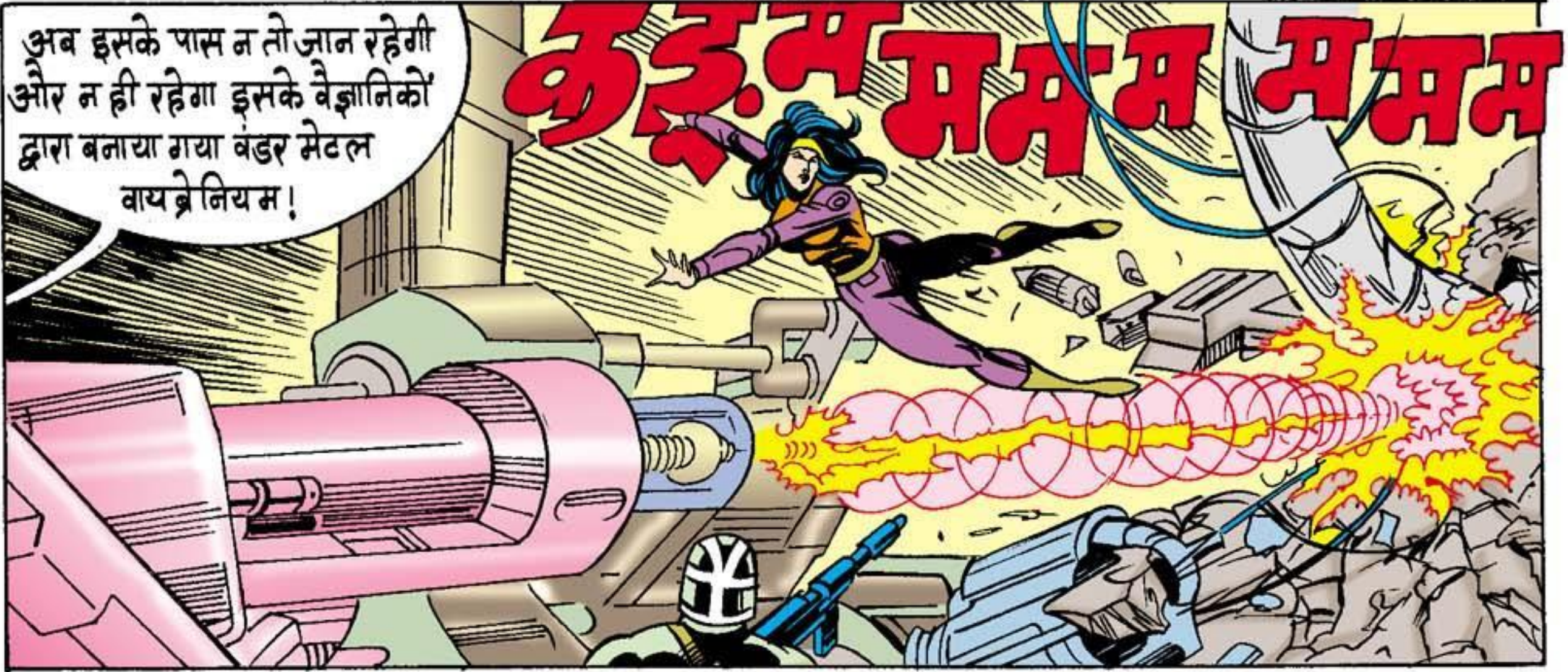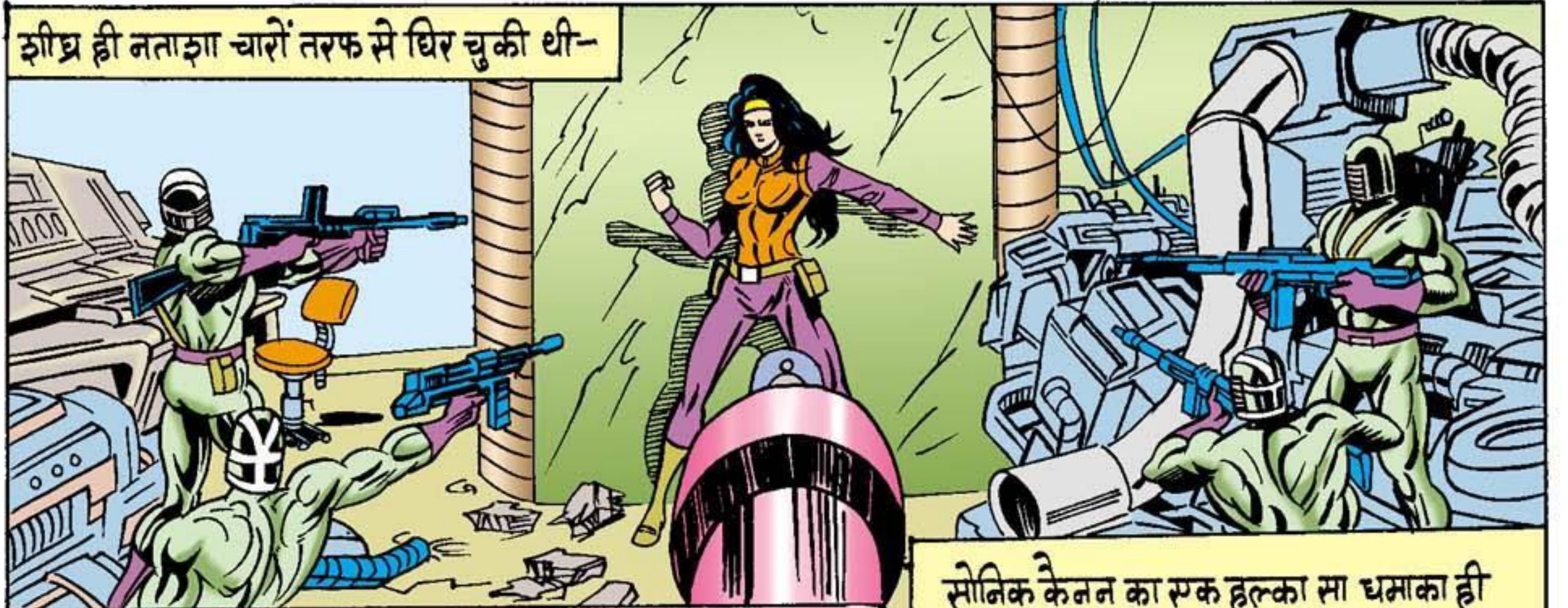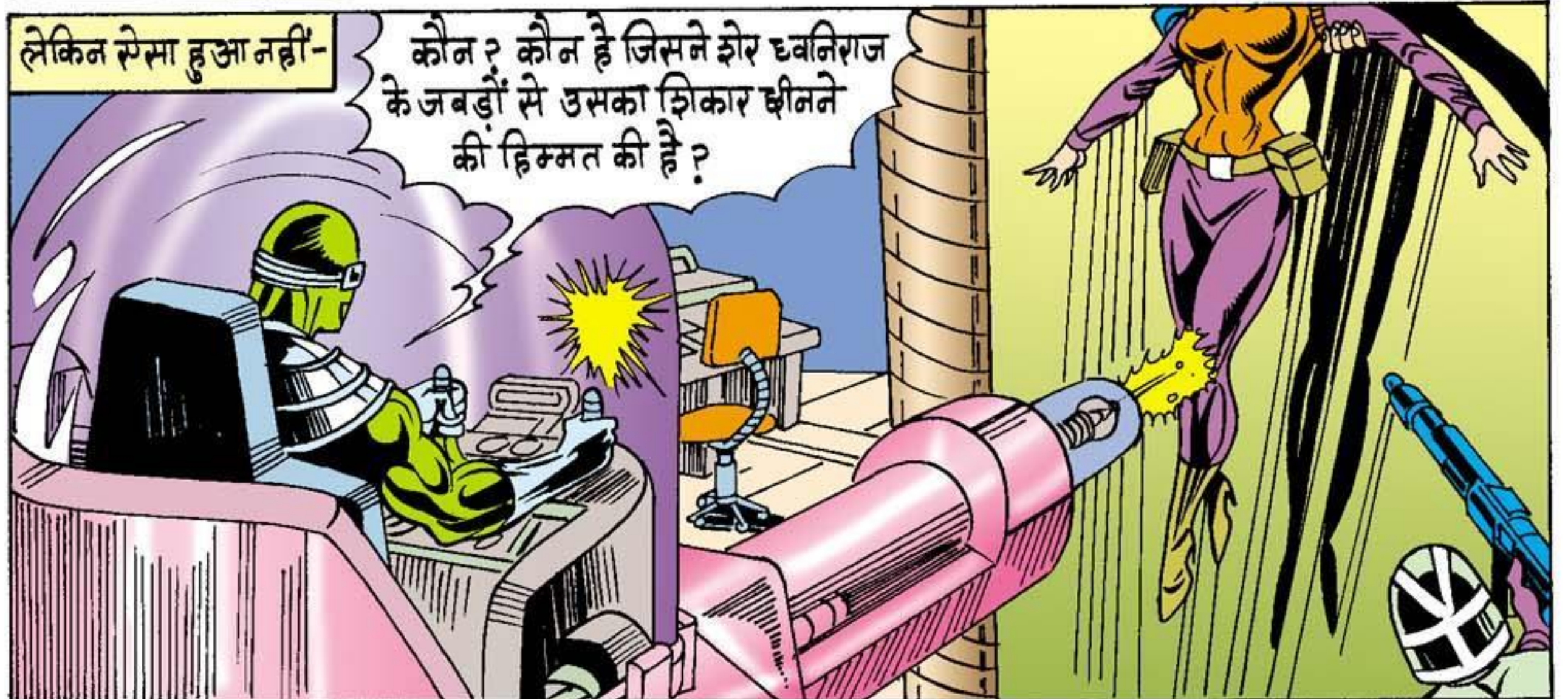
शेर की नकल करने से अगर कोई शेर बन जाता...

...तो हर गीदड़ आज शेर बना घूम रहा होता!
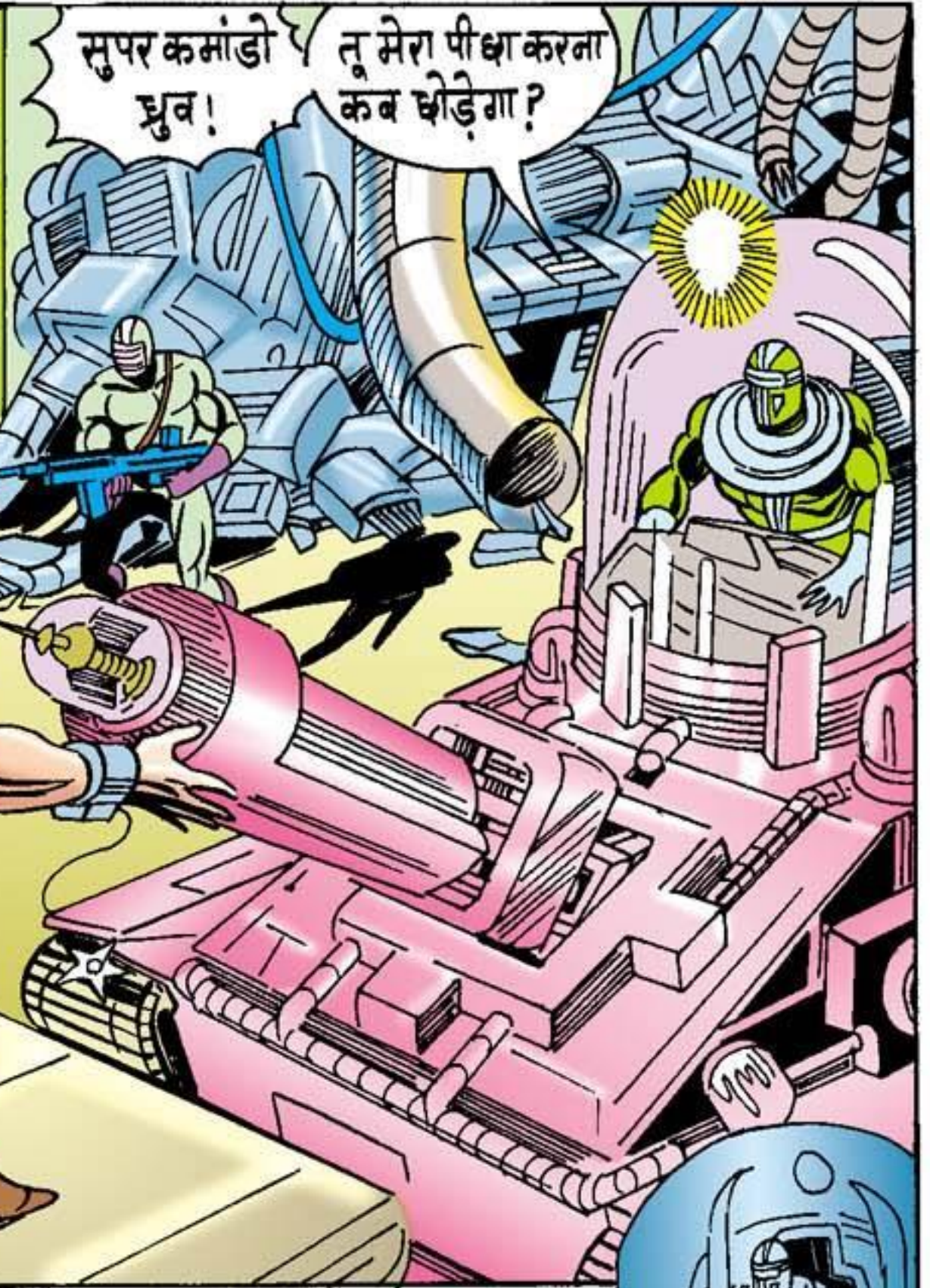
सुपर कमांडो ध्रुव!

तू मेरा पीछा करना कब छोड़ेगा?

तुम अपराध करना छोड़ दो, मैं तुम्हारा पीछा करना छोड़ दूंगा!
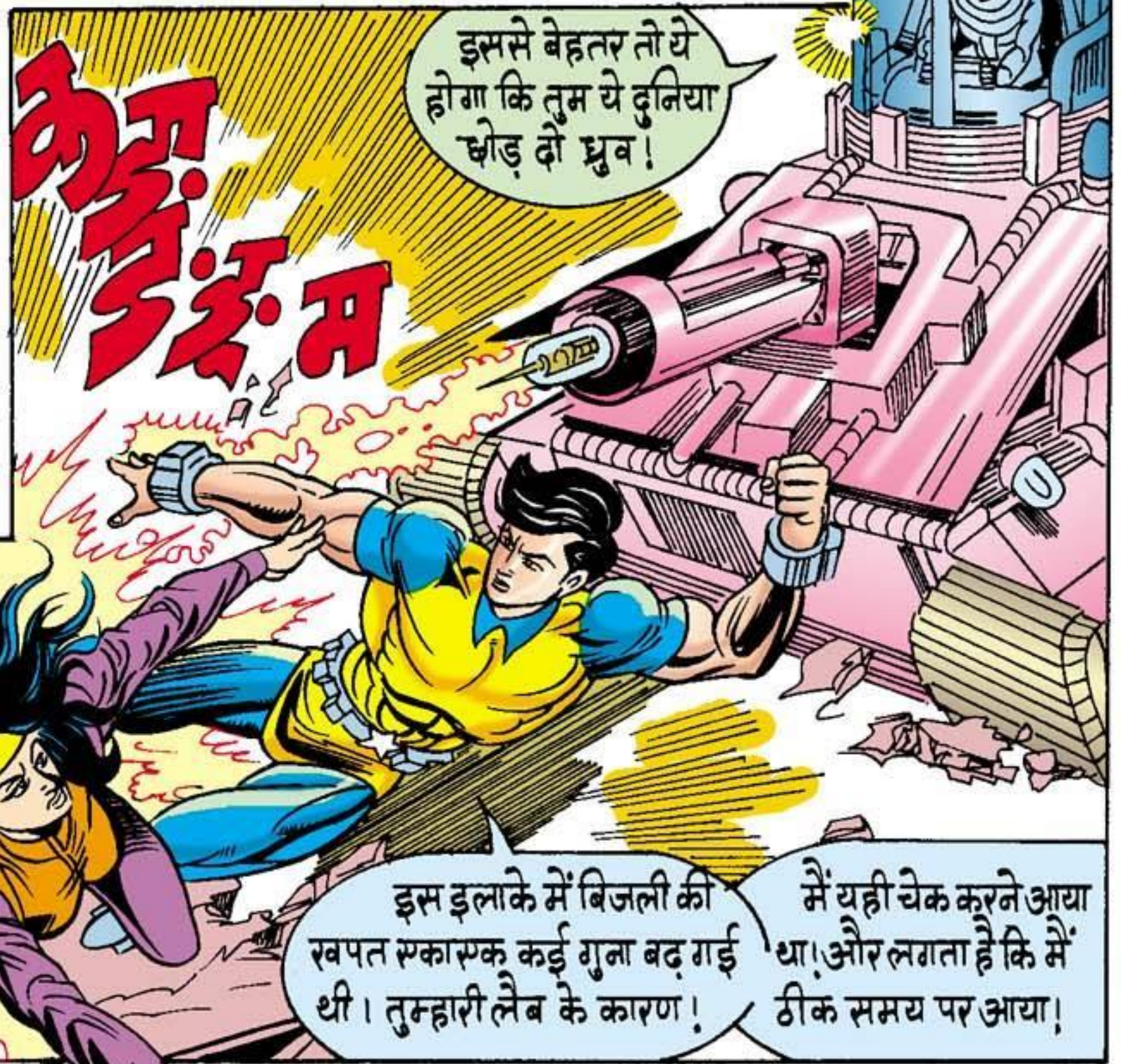
इससे बेहतर तो ये होगा कि तुम ये दुनिया छोड़ दो ध्रुव!

लेकिन तुम यहां पर आए कैसे ध्रुव?

इस इलाके में बिजली की खपत एकाएक कई गुना बढ़ गई थी। तुम्हारी लैब के कारण!

मैं यही चेक करने आया था। और लगता है कि मैं ठीक समय पर आया!

अब तुम ध्वनिराज के गुंडों से निपटो, और मैं ध्वनिराज का बाजा बजाता हूं!
ओ॰ के॰! तुम वैसे भी ध्वनिराज को ज्यादा अच्छी तरह से जानते हो!
जानता हूं। इसीलिए यह भी जानता हूं कि इससे पार पाना आसान काम नहीं है!
नताशा के लिए बंदूकधारी गुंडों से निपटना तो मामूली काम था-
हा हा हा! ये बुलेट प्रूफ शीशे का डोम है कमांडो! इसको तो हाथी की किक तक नहीं तोड़ सकती!
धड़ाक
लेकिन 'सोनिक कैनन' ध्रुव को संभलने का मौका नहीं दे रही थी-

ध्वनिराज जब तक अपनी 'सोनिक कैनन' के अन्दर है, तब तक इसका पलड़ा भारी रहेगा! इसको तोप से बाहर निकालना पड़ेगा!...
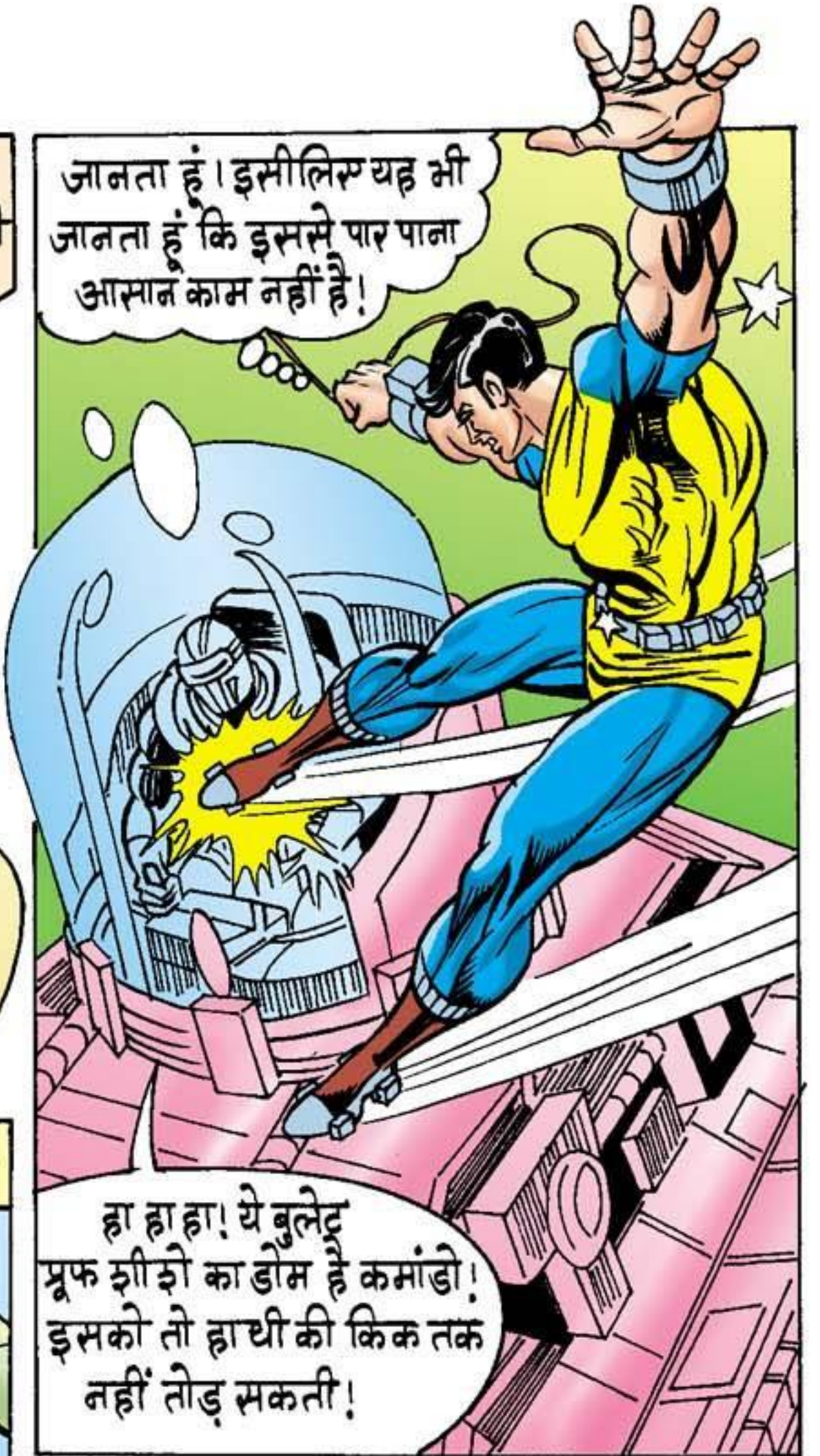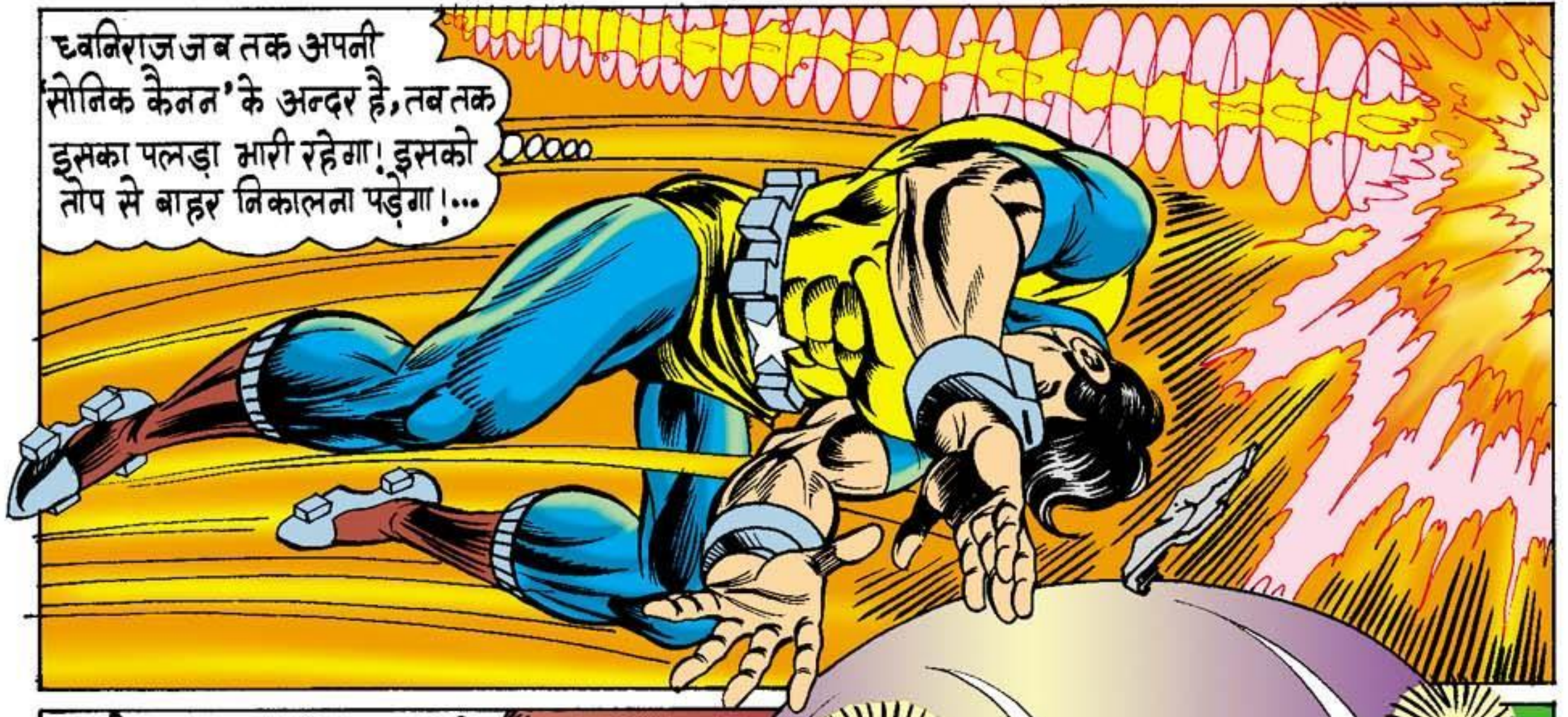
...और यह काम करने का सबसे आसान रास्ता एक ही है...
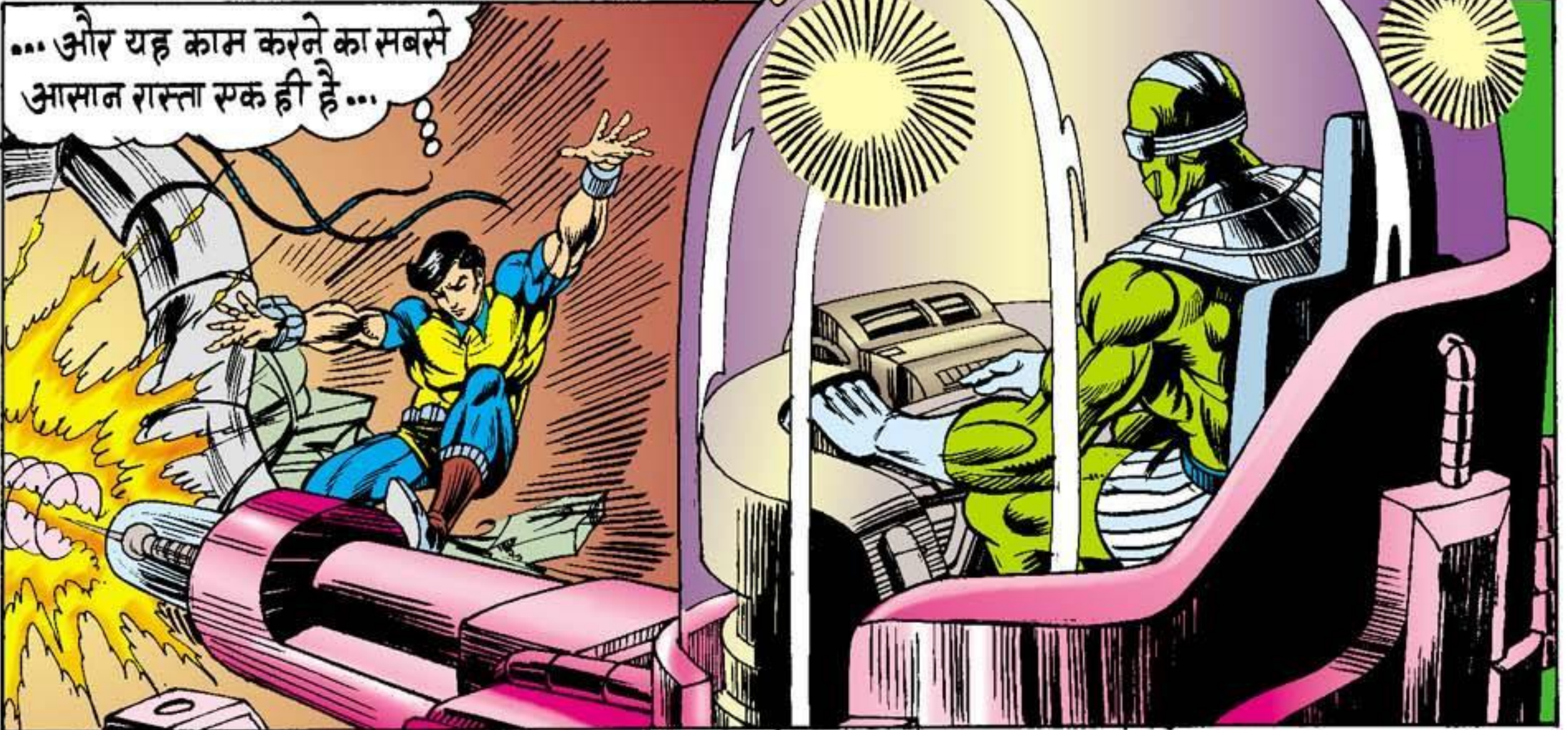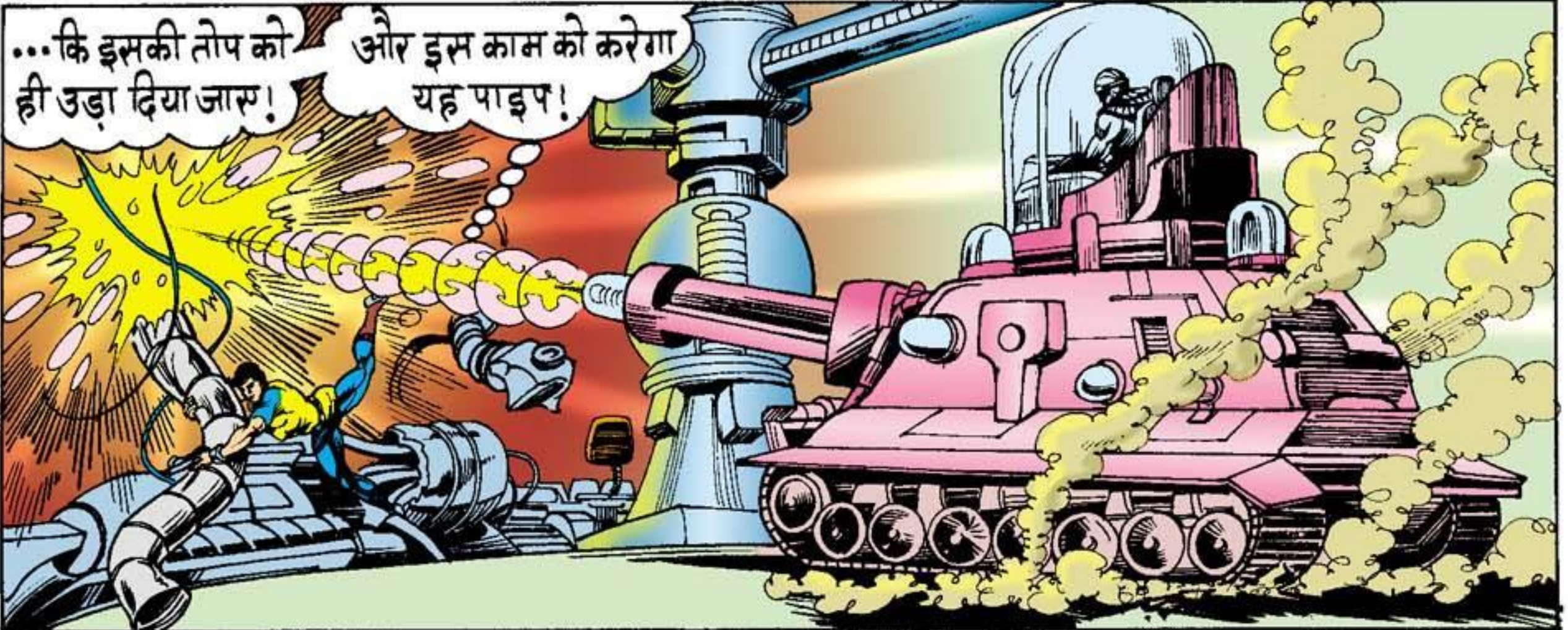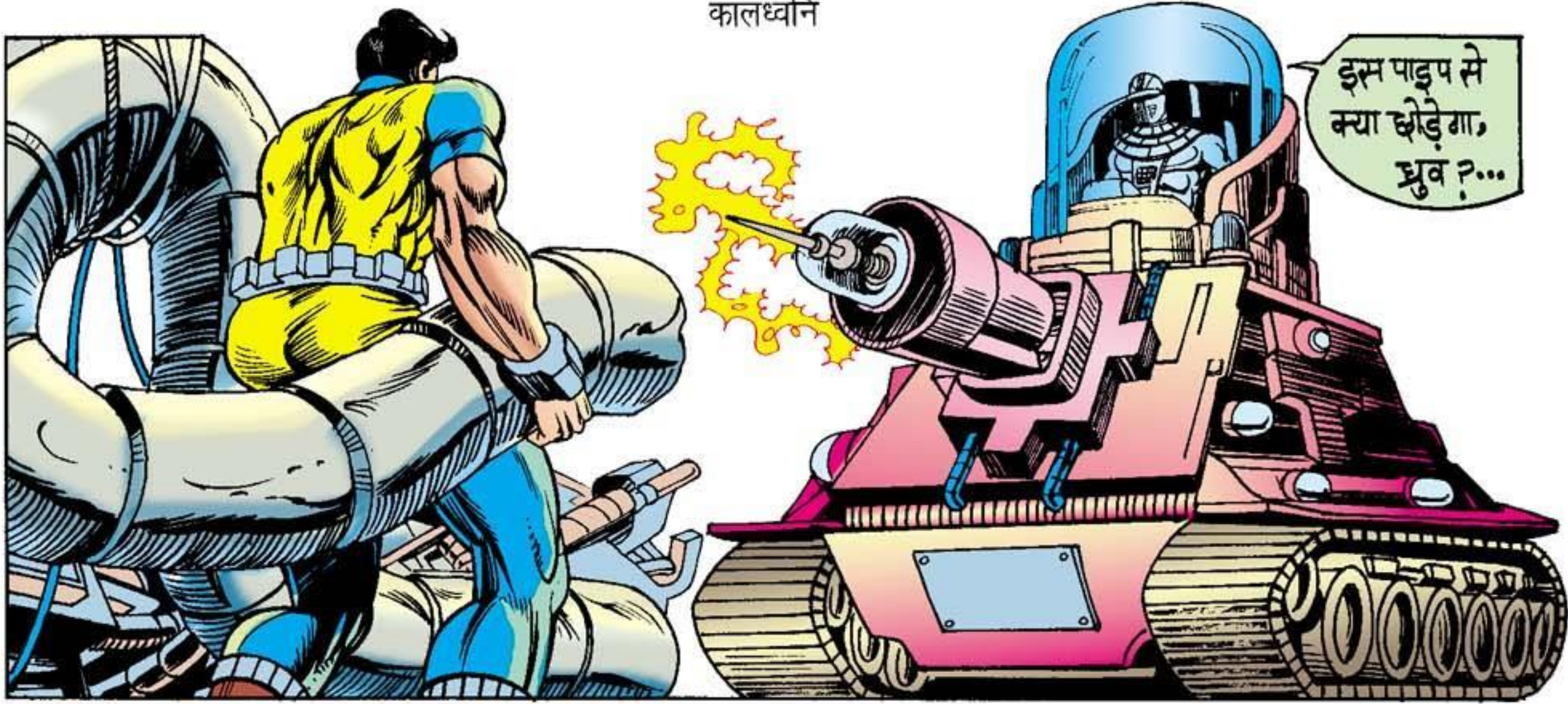
इस पाइप से क्या छोड़ेगा, ध्रुव ?...

... पानी या हवा ?...
... या फिर खुद चूहे की तरह पाइप में घुसकर बचने की कोशिश करेगा ?

इतने बेसब्र क्यों हो रहे हो ध्वनिराज ? तुम तो अपनी तोप में सुरक्षित बैठे हो ! ...
...फिर तुमको किस बात का डर ? तुम अपना वार करो ! मार डालो मुझे !
ध्वनिराज के वारों की तीव्रता बढ़ती चली गई-

और मौका मिलते ही ध्रुव ने पाइप के एक सिरे को 'सोनिक कैनन' की नाल के ऊपर चढ़ा दिया-
घटप
इस बार, सोनिक ब्लास्ट, पाइप के अन्दर से घूमता हुआ-

पाइप के उस दूसरे सिरे से बाहर निकल आया, जिसका रुख पहले से ही 'सोनिक कैनन की तरफ मुड़ा हुआ था-
वड़! मम मम
एक जबरदस्त धमाके के साथ 'सोनिक कैनन' के परखच्चे उड़ गए-
अब ध्वनिराज बग़ैर सवारी के था, और सामने खड़ी मुसीबत दुगुनी हो गई थी-
नताशा ने ध्वनिराज के सभी आदमियों को धूल चटा दी थी-
अब क्या ख्याल है ध्वनिराज? तोप की तरह तुम्हारी हड्डियां भी तोड़ दूं या तुम सरेंडर कर रहे हो?
ध्वनिराज एक तोप का मोहताज नहीं है सुपर कमांडो ध्रुव!
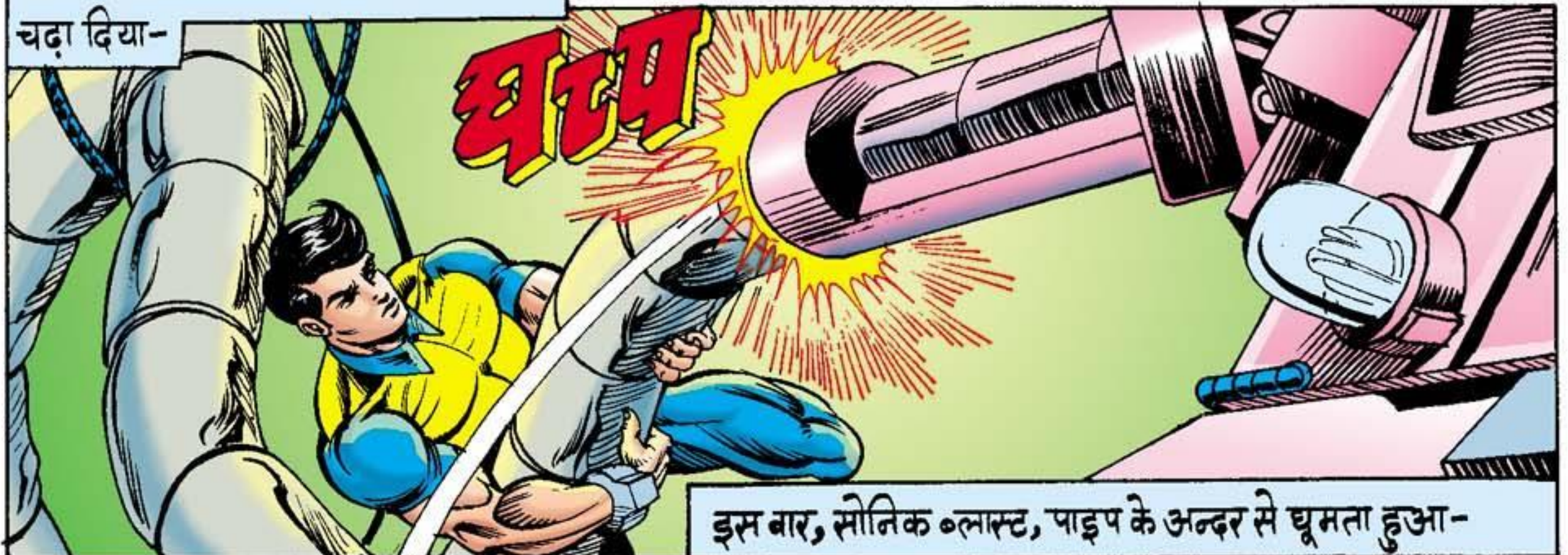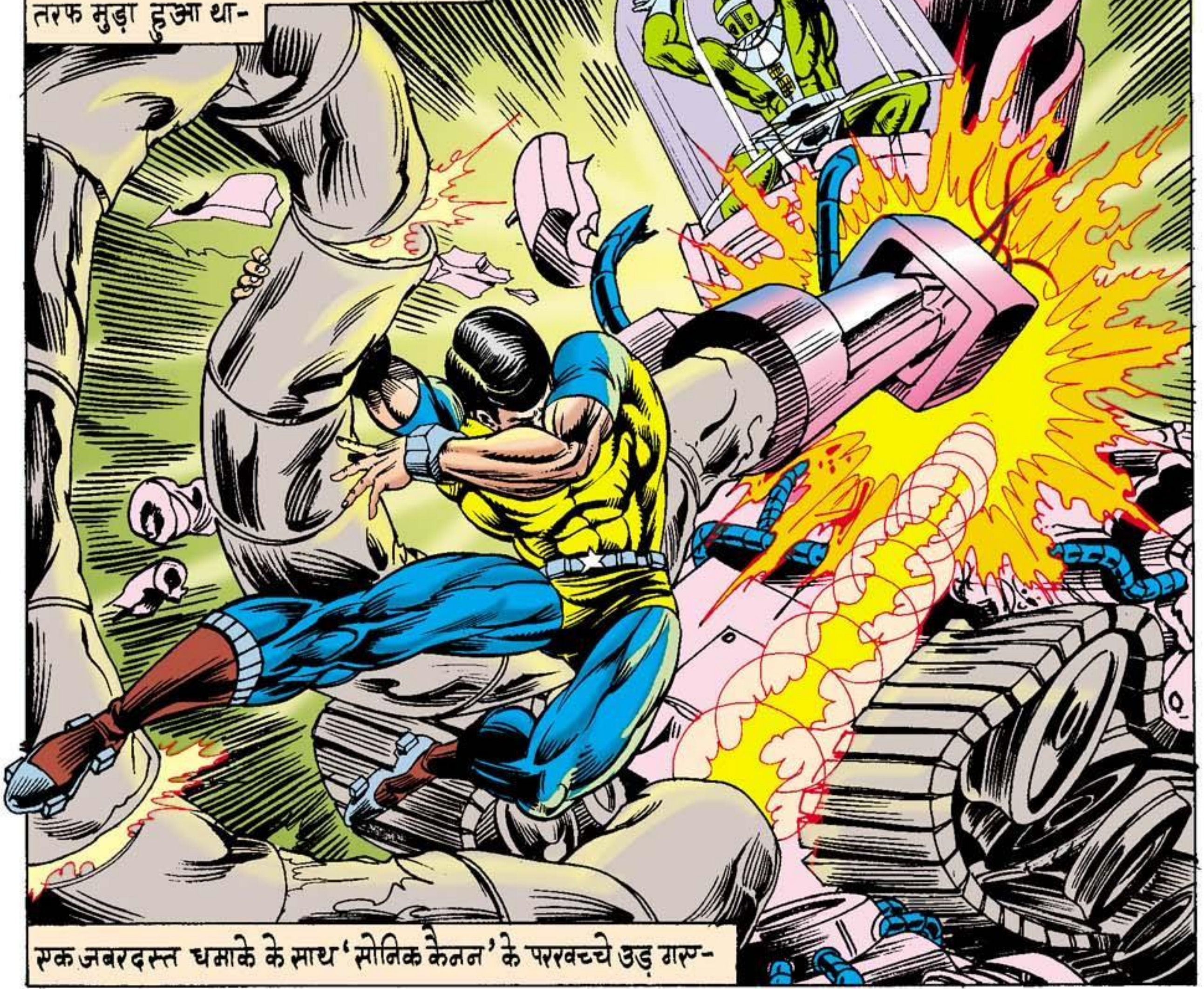
क्योंकि ध्वनिराज के पास दूसरी 'सोनिक कैनन' भी मौजूद हैं!

वड़ाममममम

सुपर कमांडो ध्रुव के रहते मैं वायब्रेनियम यहां से नहीं ले जा सकता। इसका ध्यान मुझे अपने ऊपर से हटाना पड़ेगा!

नताशा! ये मेरे बारे में ज्यादा नहीं जानती है! इसको मुसीबत में डालना थोड़ा आसान है! ...

... और अगर ये मुसीबत में पड़ गई तो ध्रुव का ध्यान मुझ पर से हटकर इस पर चला जाएगा!
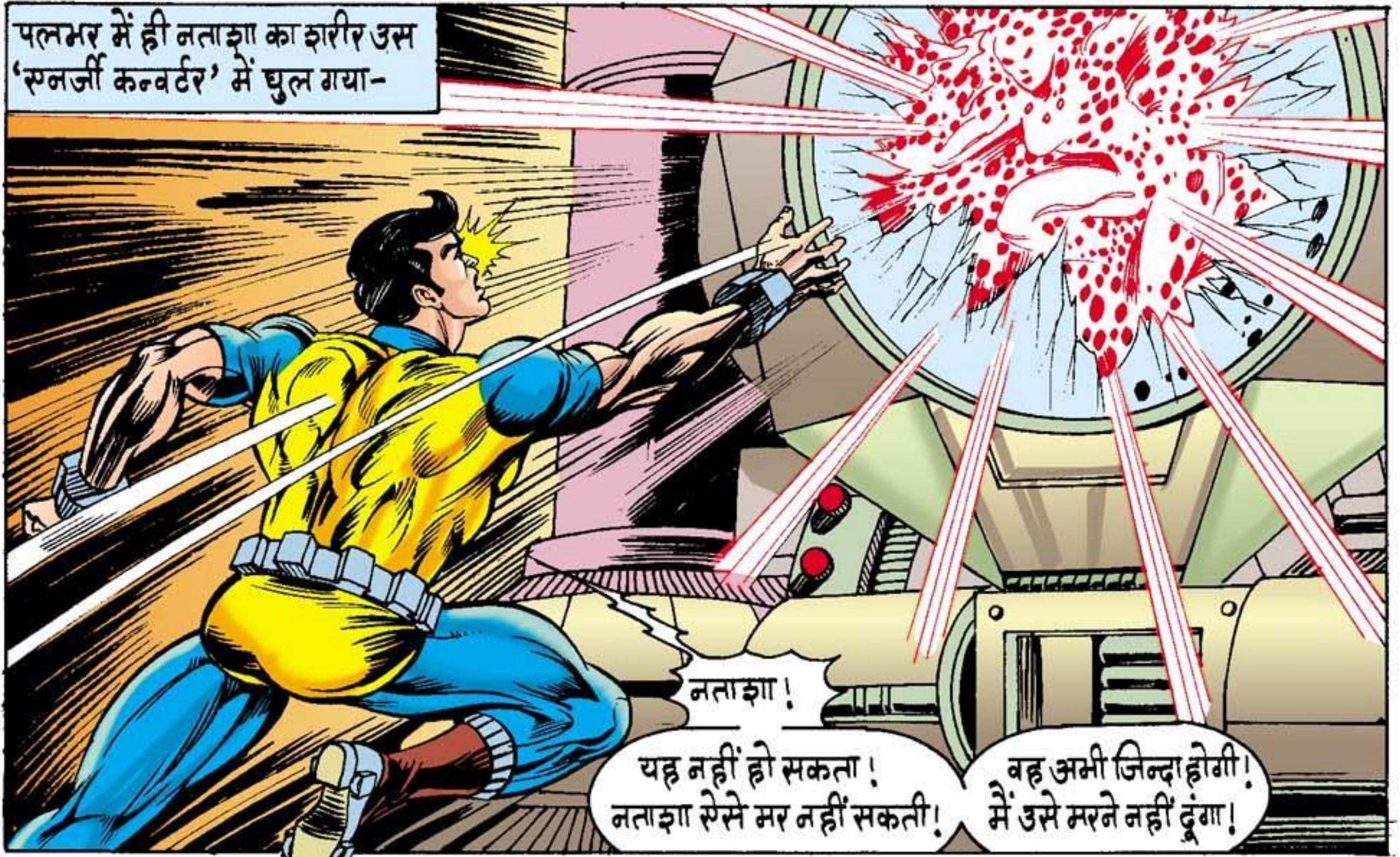
ध्वनिराज के वार से बचने के लिए नताशा उछली-

और उसी पल ध्वनिराज का एक और वार उसके शरीर से आ टकराया-

नताशा का शरीर 'साउंड एनर्जी कन्वर्टर' में जा गिरा-

पलभर में ही नताशा का शरीर उस 'एनर्जी कन्वर्टर' में घुल गया-

नताशा!

यह नहीं हो सकता! नताशा ऐसे मर नहीं सकती!

वह अभी जिन्दा होगी! मैं उसे मरने नहीं दूंगा!

मैं उसे बचाऊंगा! 'एनर्जी कन्वर्टर' से बाहर खींच लूंगा!

नताशा! अपना हाथ दो मुझे! हाथ दो! मैं तुमको बाहर खींच लूंगा!

ध्रुव को जवाब में सन्नाटे के अलावा और कुछ सुनाई नहीं दिया-

यही मौका है। वायब्रेनियम मेरे हाथ में है, और ध्रुव का ध्यान उस नताशा पर है, जो शर्तिया मर चुकी है!

अब मुझे यहां से फूट लेना चाहिए!

ध्वनिराज

अगर मैंने इन्सानी जान न लेने की कसम न खाई होती, तो आज तेरी जिन्दगी का आखिरी दिन होता! लेकिन आज तेरी अपराध की जिन्दगी का आखिरी दिन जरूर है!
आज के बाद तू अपने दो पैरों पर नहीं चल पाएगा! जमीन पर कीड़ों की तरह घिसट-घिसटकर चलेगा!
क्योंकि आज मैं तेरे पैरों की हड्डियों के इतने टुकड़े कर दूंगा...
... जिनको दुनिया का कोई भी डॉक्टर जोड़ नहीं पाएगा!
यह तो गुस्से से पागल हो रहा है। शायद नताशा इसको जरूरत से ज्यादा प्यारी थी! यह तो सचमुच मुझे लंगड़ादीन बना देगा!
वो तो भला हो मेरे दिमाग का कि इमर्जेंसी में भागने के लिए मैं अपना 'सुपर सोनिक जेटस्कूटर' लेता आया था! ...
... इस पर बैठने के बाद मुझे ध्रुव तो क्या...
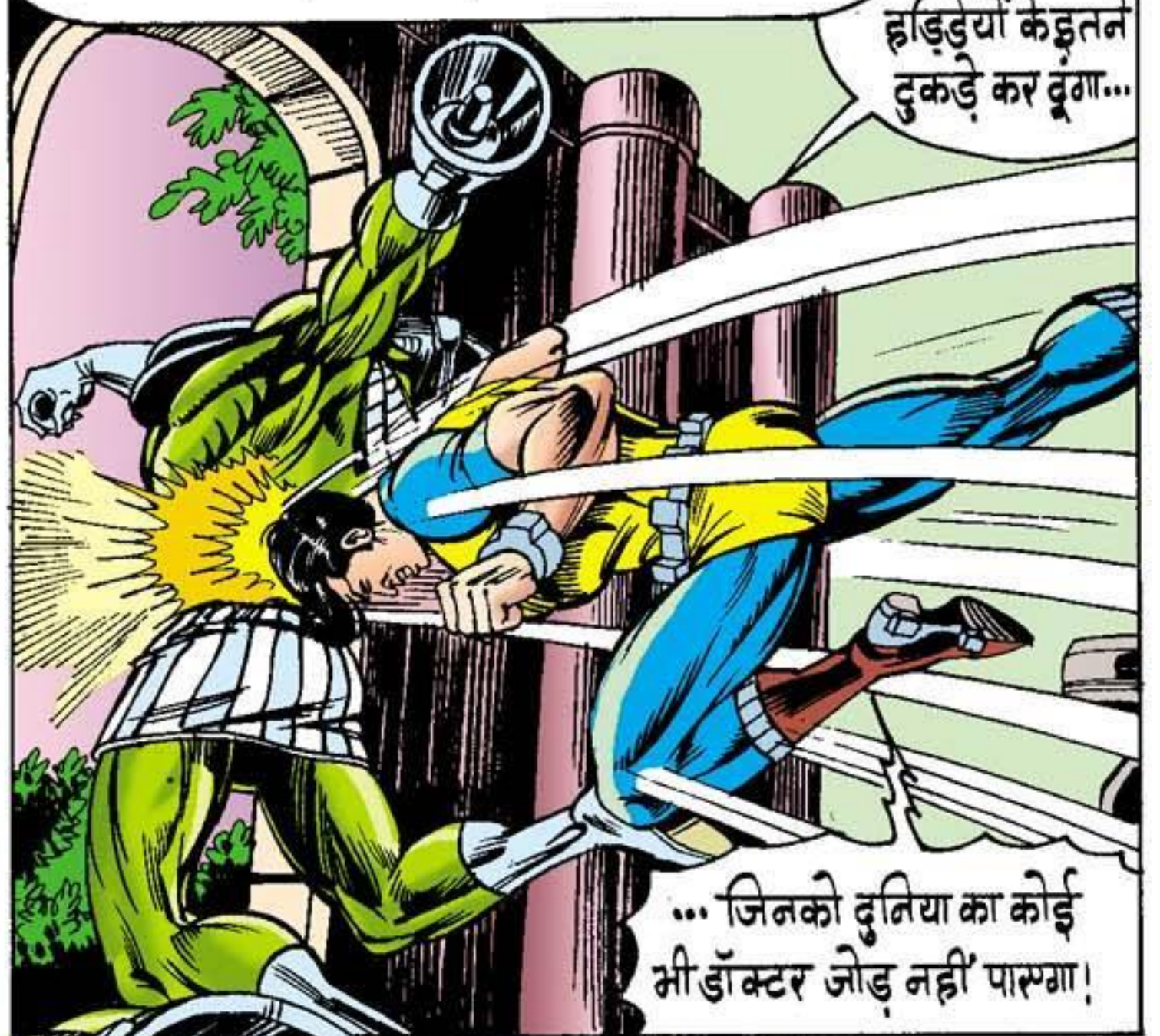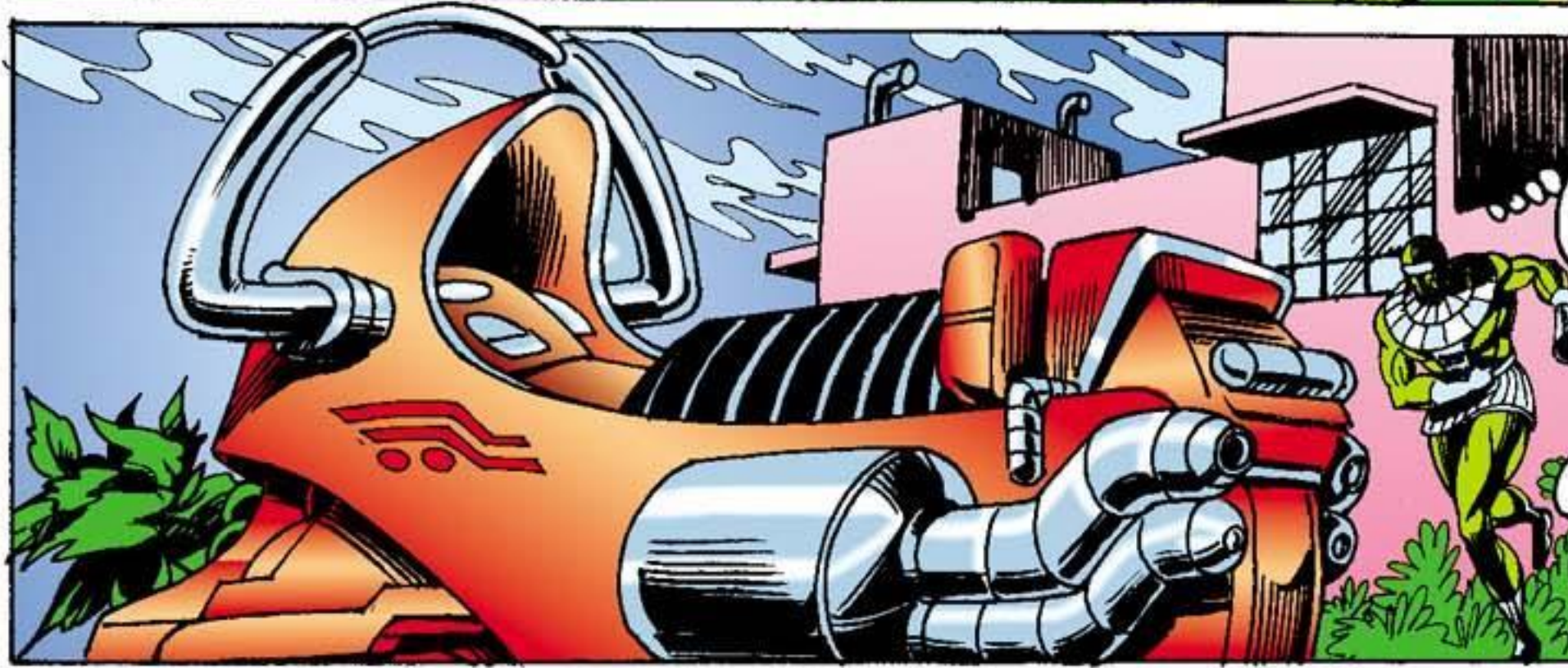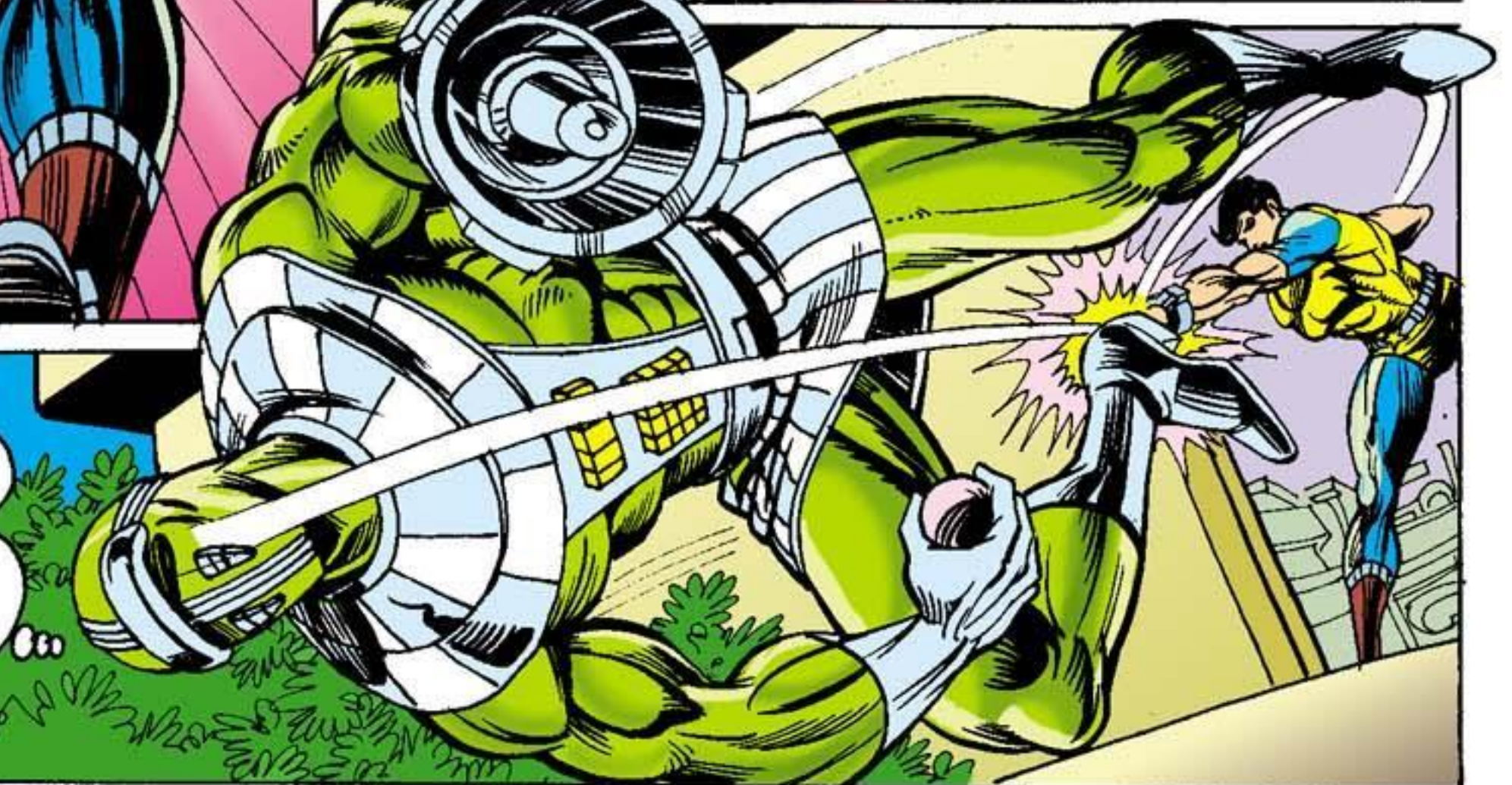
... जेट फाइटर प्लेन भी नहीं पकड़ सकते!
हा हा हा! अब मैं आजाद हूं!
और मेरे पास है वायब्रेनियम की शक्ति!

लेकिन मेरा जेट स्कूटर डगमगा क्यों रहा है? मैंने तो दूसरी सवारी तक नहीं बिठाई है!

ओऽऽऽ ह! सुपर कमांडो ध्रुव अपनी स्टार लाइन के सहारे मेरे पीछे लटका हुआ है!

और अब ये उस स्टार लाइन को उस टॉवर में लपेट रहा है। यानी... यानी...

कहानी 19 पेज से जारी
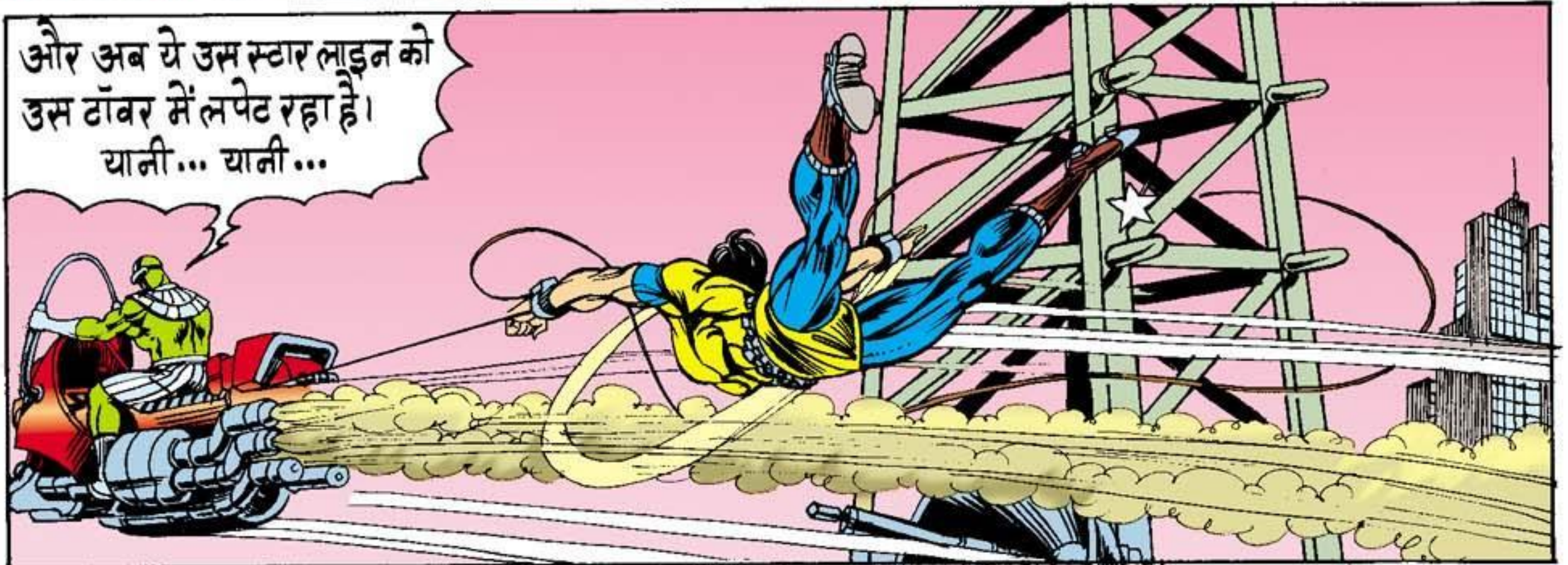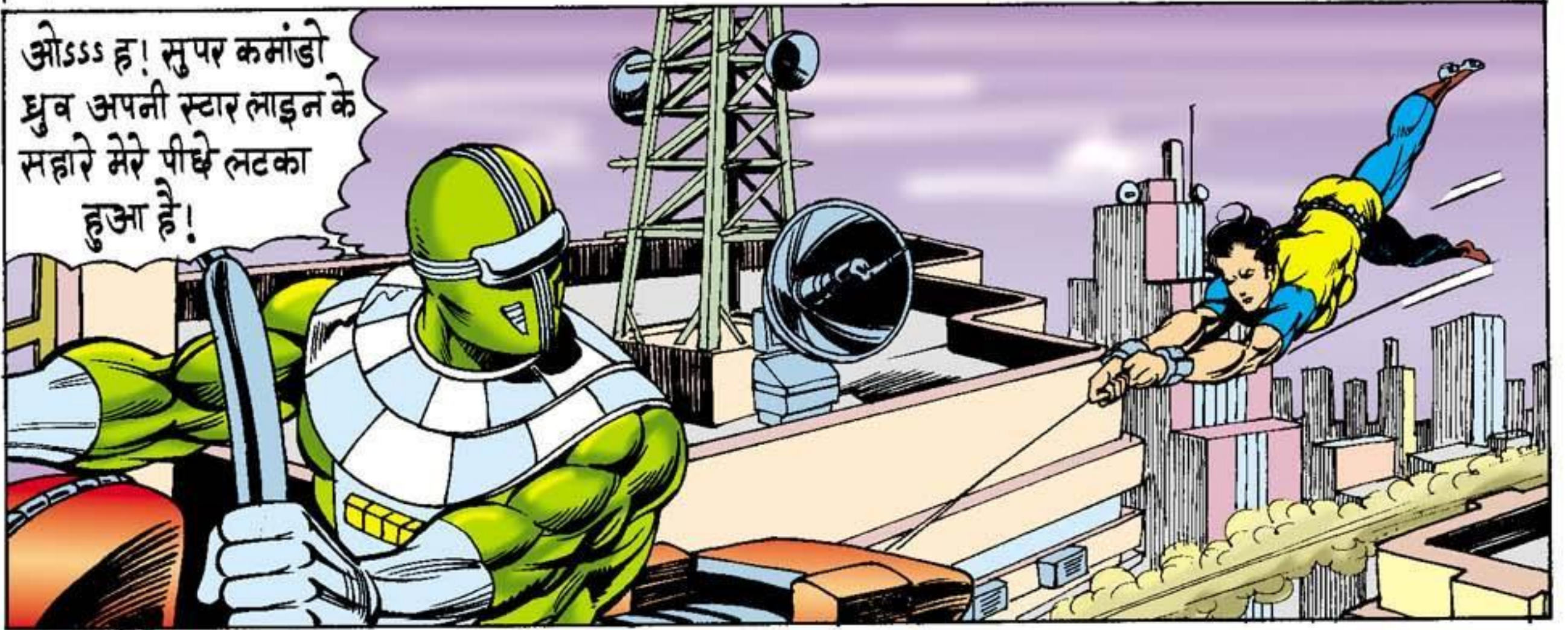
...अब मेरा जेट स्कूटर एक झटके के साथ रुकेगा और मैं छिटककर दूर जा गिरूंगा ssssss
अब तुझे गिरकर मरने से सिर्फ मैं बचा सकता हूं ध्वनि-राज! गिड़गिड़ा और मदद मांग मुझसे!
नहीं ध्रुव! वैसा नहीं होगा जैसा कि तुम सोच रहे हो! मेरा 'साउंड-कुशन' मुझे जमीन से टकराने से बचा लेगा!
ध्वनिराज, उस खाली गोदाम की तरफ भाग रहा है। अब ये फंस गया!
गोदाम किराए के लिए उपलब्ध है।
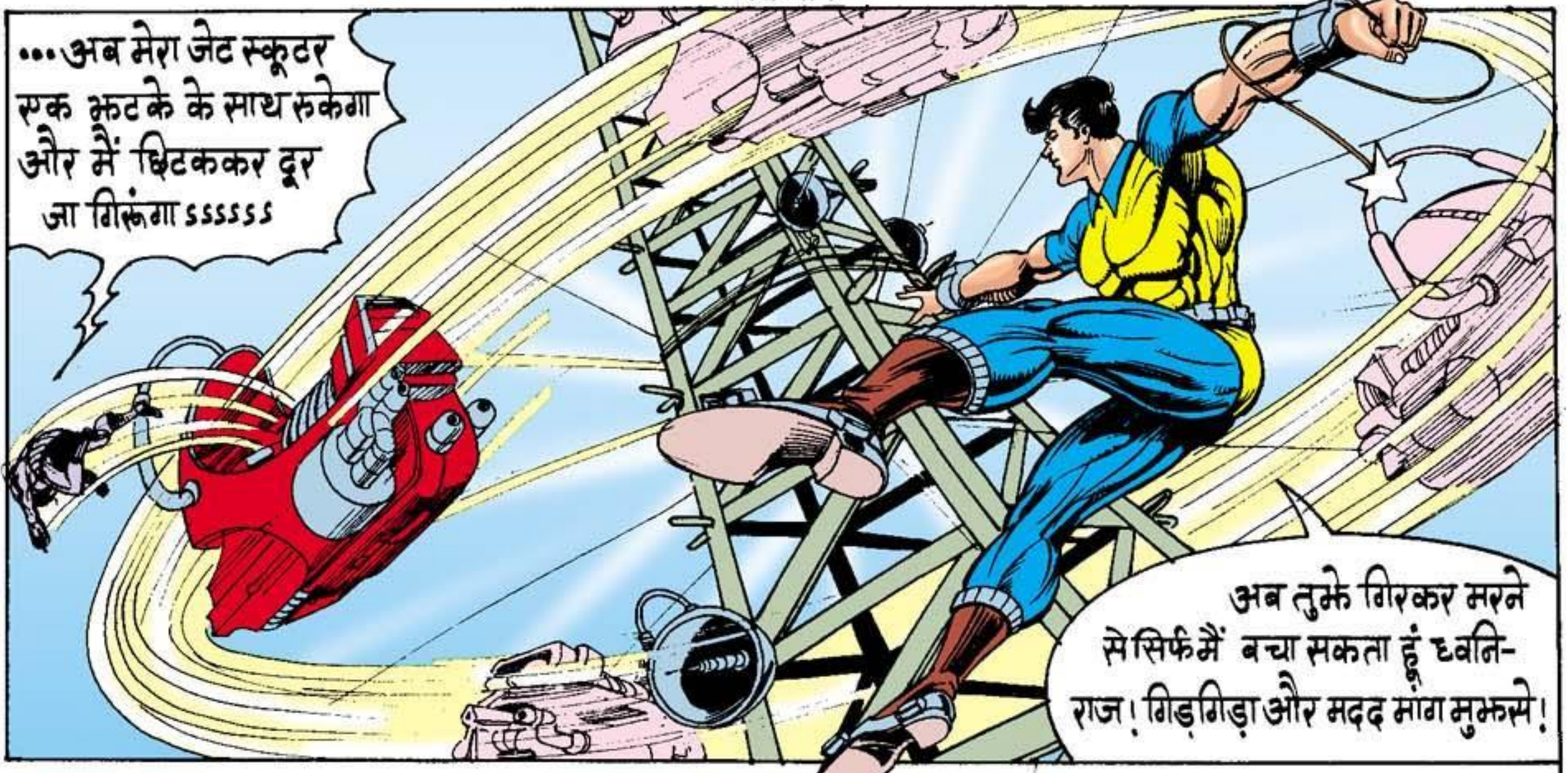
अंदर तो घुप्प अंधेरा है! मुझे संभलकर आगे बढ़ना होगा! क्यों कि ध्वनिराज कहीं पर भी छुपा हो सकता है!
अरे! एका-एक संगीत कैसे बजने लगा? समझा!
ध्वनिराज संगीत के जरिए मुझे अपनी स्थिति बता रहा है। मुझे चैलेंज कर रहा है कि आओ, मुझे ढूंढ़ लो!
ध्रुव अगर नताशा की लैब में थोड़ा पहले पहुंचा होता तो उसे पता होता कि ये संगीत लहरियां उसके लिए चैलेंज नहीं–
बल्कि काल ध्वनि है–
ओह! मुझ पर नींद तेजी से हावी हो रही है! पूरा शरीर ढीला पड़ रहा है। कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि करूं तो क्या करूं!....
ध्रुव को अपनी गर्दन में फंदा गिरने का एहसास तक नहीं हुआ–
हा हा हा! मेरी संगीत लहरियां तुझे तब तक सुलाए रखेंगी, जब तक तू हमेशा के लिए सो नहीं जाता! मर, ध्रुव, मर!

अब ध्वनिराज?

तू बचेगा नहीं! तू मुझसे वायब्रेनियम छीन नहीं पाएगा!

उछलकर बच रहा है! अच्छा!

अब मैं उनको निशाना बनाऊंगा, जो उछलकर बच नहीं सकते!

...इन पेटियों को!

बूमममममम
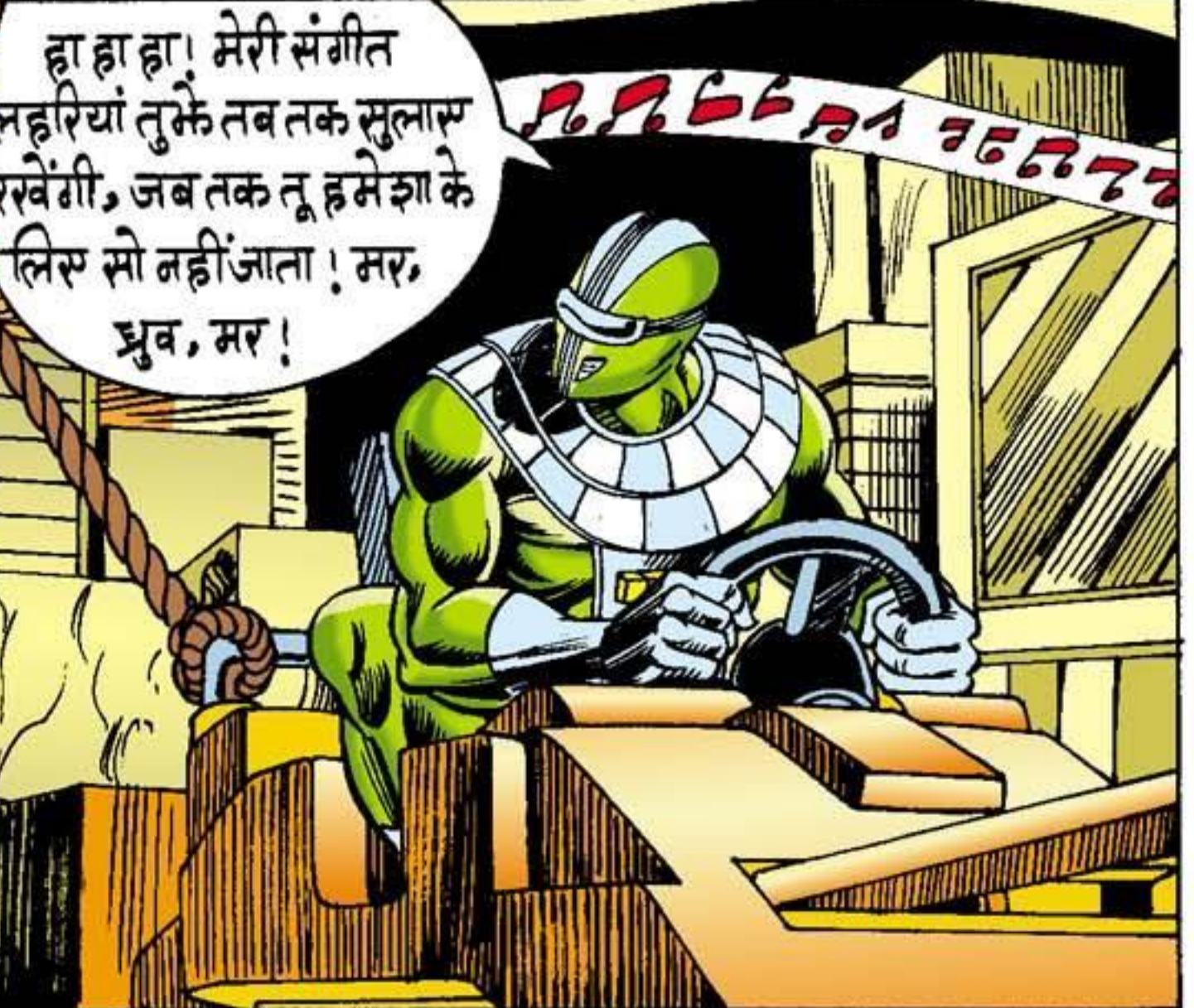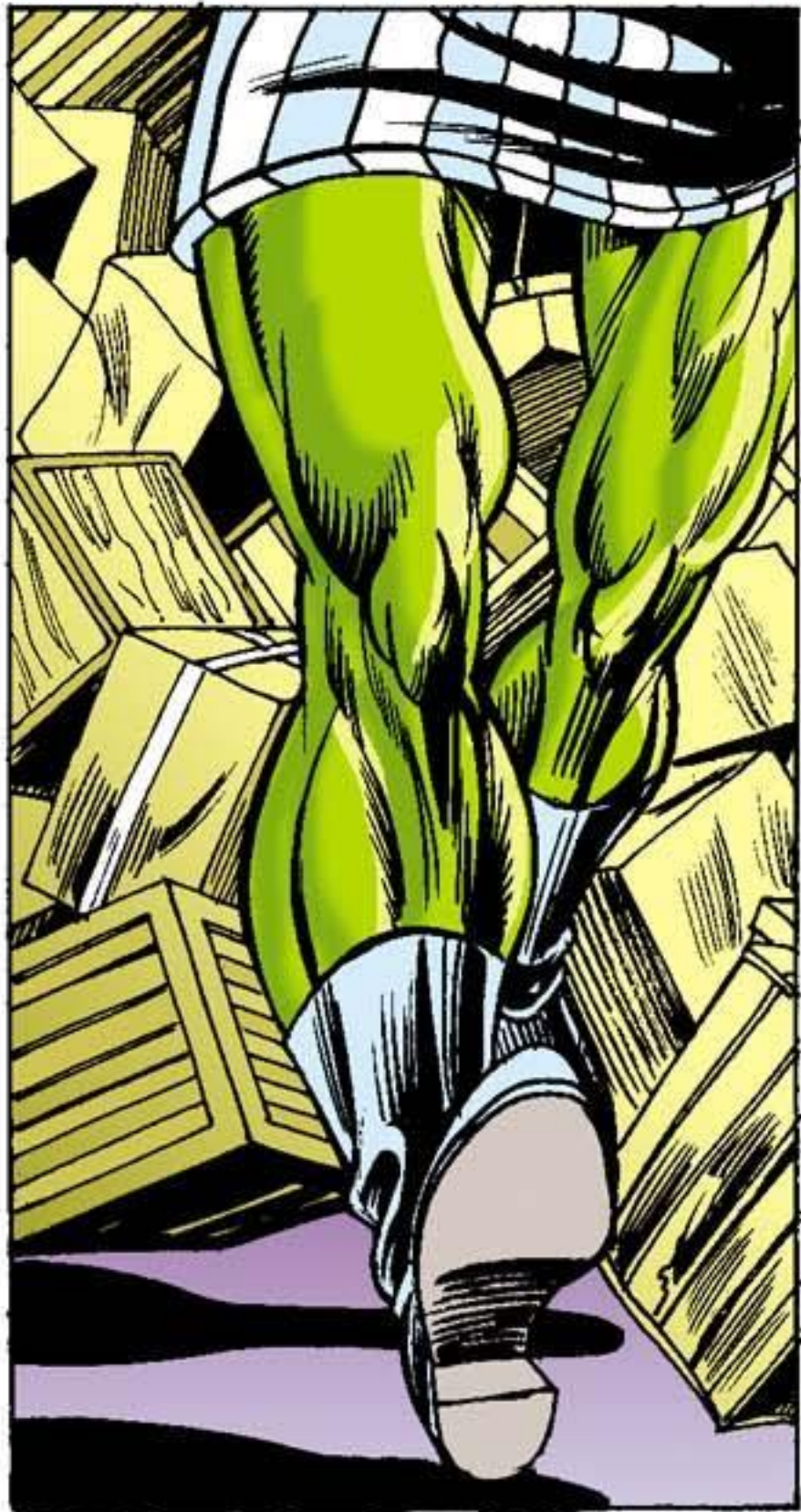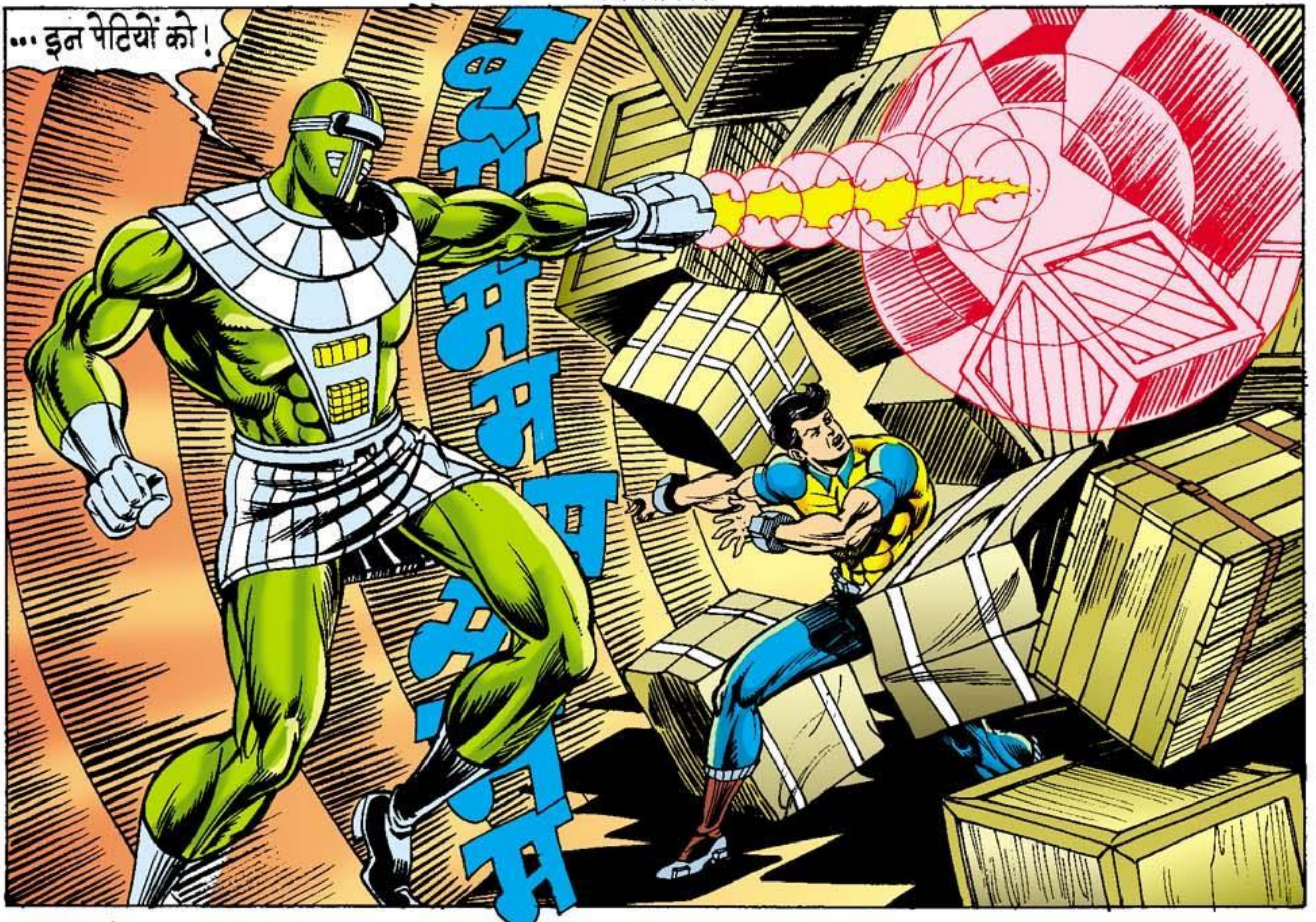
ध्वनिराज ध्रुव से ज्यादा दूर नहीं गया था-

आहा! बायब्रेनियम! इसके सामने तो सौ हीरों की चमक भी फीकी है। अब मैं बनाऊंगा अपना वह हथियार, जो पूरी दुनिया को थर्रा देगा! कालध्वनि!

और उसके लिए मुझे सबसे पहले अपना 'साउंड एनर्जी कन्वर्टर' बनाना पड़ेगा, जो बायब्रेनियम को सोखने लायक प्रचंड ध्वनि ऊर्जा दे सके।

इसी वक्त-
मैंने तुम्हारा मैसेज मिलते ही पुलिस फोर्स को भेज दिया था। पुलिस ने किसी को भी भागने का मौका नहीं दिया! न ही ध्वनिराज के आदमियों को और न ही नताशा के गैंग को!
फिलहाल दोनों गुट अलग-अलग पुलिस स्टेशनों के लॉकअप में बन्द हैं!
लेकिन नताशा का कोई पता नहीं चला! हमने अपने विशेषज्ञों से भी सांउड कंवर्टर की जांच करवाई और नताशा के वैज्ञानिकों से भी!
लेकिन उस साउंड एनर्जी कन्वर्टर में किसी भी बॉयोलोजिकल चीज के संकेत नहीं मिले!
संकेत मिल ही नहीं सकते पापा! उस कन्वर्टर में जाते ही हर चीज ध्वनिऊर्जा में बदल जाती है!
नताशा अब सिर्फ एक आवाज है। एक याद!
जो कुछ भी हुआ उसमें तुम्हारी गलती नहीं है, भइया! नताशा जिस रास्ते पर दुबारा चल पड़ी थी उसका अन्त तो ऐसे होना ही था!
यही तो मेरी हार है श्वेता! मैं नताशा को सही रास्ते पर वापस नहीं ला सका!
और अब वह एक ऐसे रास्ते पर जा चुकी है, जहां से कभी कोई वापस नहीं आया!
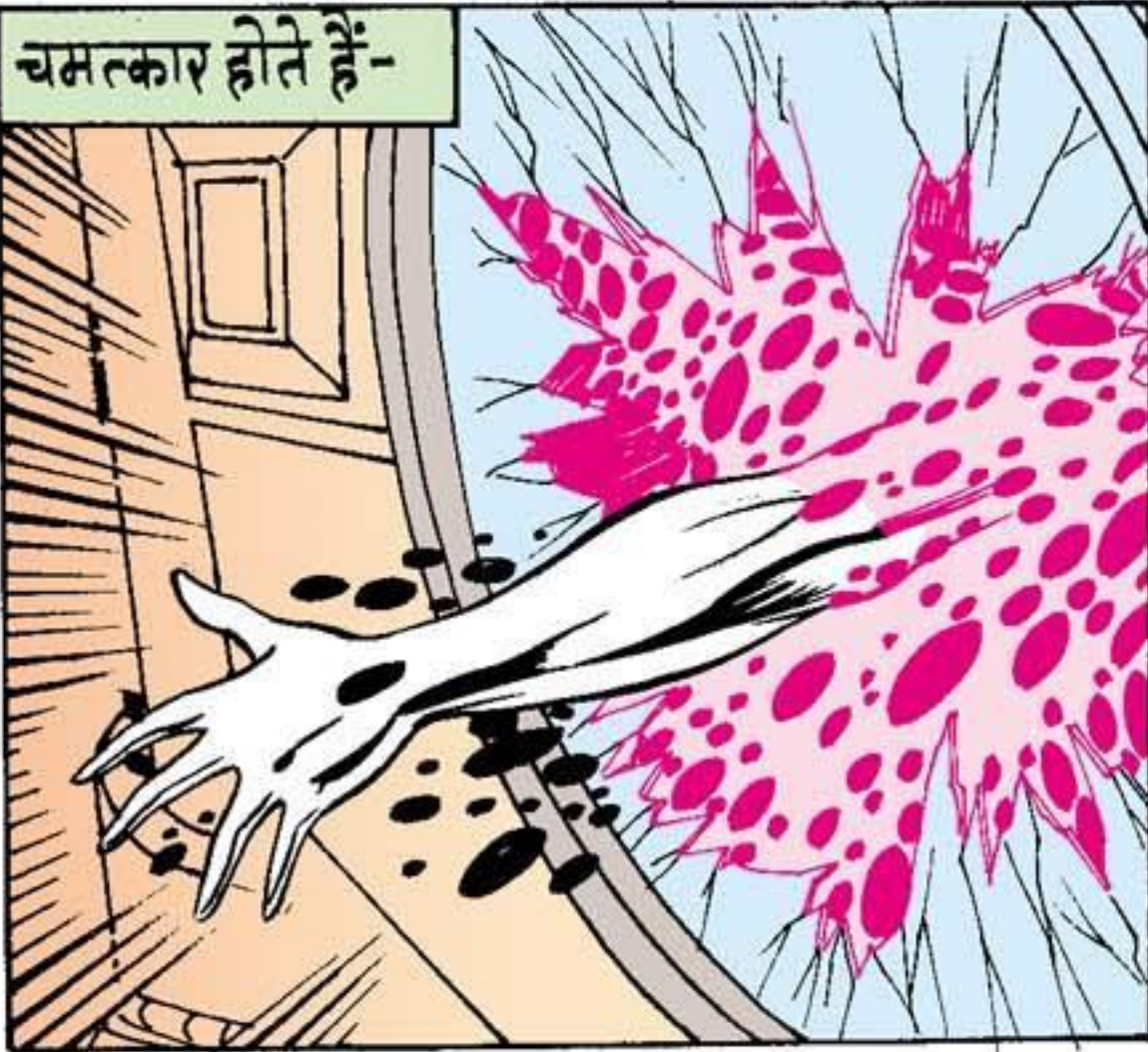
चमत्कार होते हैं-
और होते ही रहेंगे-
किंग्स सर्कल पुलिस स्टेशन में-
हमको क्यों पकड़ रखा है, इंस्पेक्टर! हम तो वैज्ञानिक हैं! कमांडर नताशा के कर्मचारी!
अगर कोई गलत काम किया है तो नताशा ने! पकड़ना है तो उसको पकड़ो!
उसको हम तो अब पकड़ नहीं सकते! हां, अगर वह मरकर भूत-वूत बन गई होगी, तो किसी तांत्रिक से उसे जरूर पकड़वा लेंगे!
इनको छोड़ दो! इन पर तुम न तो कोई आरोप लगा सकते हो, और न ही उसे साबित कर सकते हो!
ये कौन वकील आ गया?

ये कैसी लड़की है? इसका सारा शरीर तो चमक रहा है!
खतरनाक लग रही है। इससे पंगा लेना ठीक नहीं है!
इ... इनको अभी कैसे छोड़ सकता हूं! सु... सुबह से पहले जमानत हो नहीं सकती!
जमानत होते ही छोड़ दूंगा!
ठीक है! लेकिन मुझे इनसे कुछ पूछताछ करनी है! वो भी अभी!
अरे! ये तो लॉकअप की तरफ बढ़ रही है! इसे रोको!
वर्ना कमिश्नर साहब हमारी चमड़ी उधेड़ देंगे!
पुलिस वालों की शारीरिक शक्ति नाकामयाब रही—
तो मजबूरन उनको बंदूकों का मुंह खोलना पड़ गया—
धांय
टिच्चू
टिच्चयांऊ
धांय

लेकिन उस चमकते शरीर से टकराते ही गोलियां चूर-चूर हो गईं-
मुझ पर गोलियां बर्बाद मत करो। ये हाड़-मांस का शरीर नहीं है। ये ठोस ध्वनि ऊर्जा का बना शरीर है। मैं इन्सान नहीं एक प्रचंड आवाज हूं! निनाद!
ऊर्जा को तुम नष्ट नहीं कर सकते!

लेकिन ऊर्जा तुमको नष्ट कर सकती है!

बेहोश होते-होते भी थाना इंचार्ज ने उस 'अलार्म-बटन' को दबा दिया-

जो खतरे के संकेतों को सीधा पुलिस हेडक्वार्टर तक भेज देता था-

निनाद को किसी खतरे का डर नहीं था-
लॉकअप खुला-
चर्रर्र र्र

और गैंग के सदस्य एक-एक करके बाहर निकलने लगे-
निनाद ने उनकी तरफ देखा तक नहीं-

अब मैं निनाद हूं। तेरी गद्दारी की मेहरबानी से! यहां आने से पहले मैंने अपने हर आदमी की पर्सनल फाइल चेक की थी!
उससे पता चला कि तू प्रोफेसर काले के साथ पहले काम कर चुका है। प्रोफेसर काले यानी... ध्वनिराज!
मु... मुझे माफ कर दीजिए मैडम!
ध्वनिराज का अड्डा काली पहाड़ी की चोटी पर है!
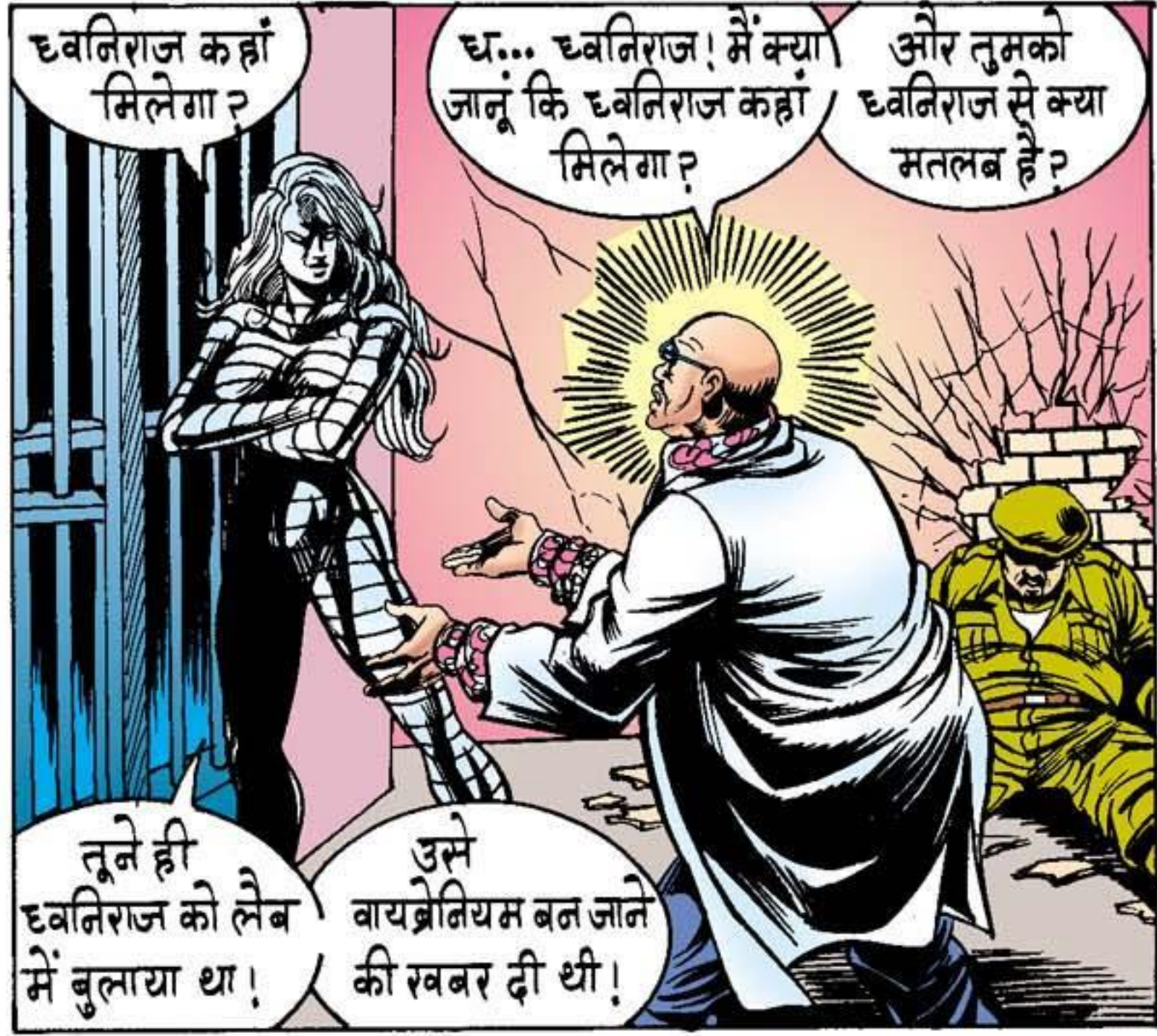
जा मैंने तुझे माफ किया! अगर तुझे सजा देनी होती...

इस संबंध में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें: आवाज की तबाही

... तो तेरी सारी हड्डियां तोड़कर तुझे मौत नहीं देती! सिर्फ तेरी आंखें फोड़कर और हाथ तोड़कर जिन्दगी भर तड़पने के लिए जिन्दा छोड़ देती!

इसी वक्त-

व्हाट? किंग सर्कल की पुलिस चौकी पर हमला! ओ... गॉड! मैं अभी वहां पहुंचता हूं!

क्या हुआ पापा?

किंग सर्कल की पुलिस चौकी पर किसी लड़की ने हमला करके कैदियों को छुड़ा लिया है! अपने आपको निनाद बता रही थी! शुद्ध ध्वनि ऊर्जा की बनी एक प्राणी!
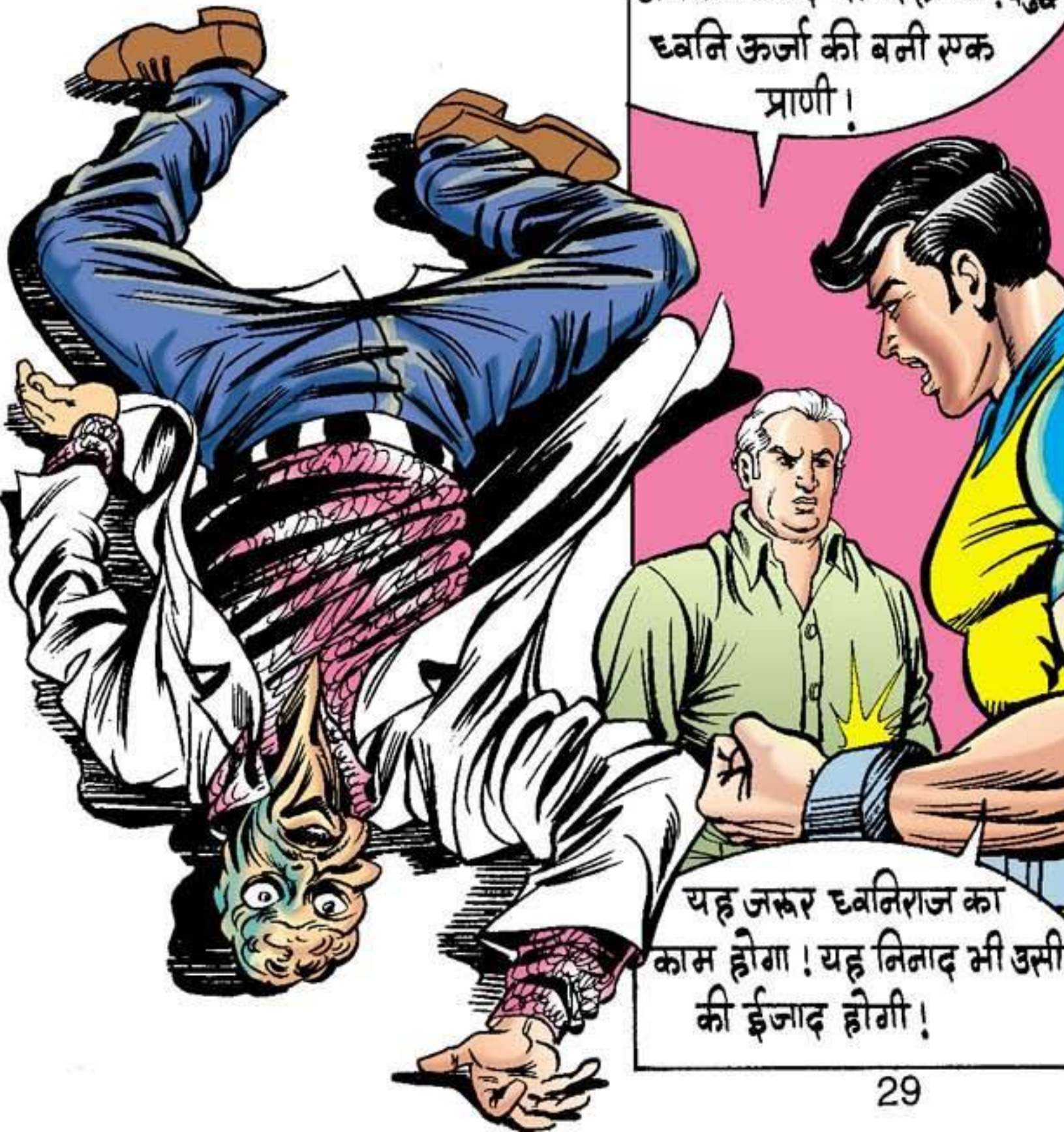
यह जरूर ध्वनिराज का काम होगा! यह निनाद भी उसी की ईजाद होगी!

मैं उसको अगर ढूंढ़ सकूं तो ध्वनिराज तक भी पहुंच सकता हूं!

ध्रुव, निनाद को ढूंढ़ रहा था-
लेकिन ध्रुव को-
कोई और ढूंढ़ रहा था-
खड़ाााक
मर, ध्रुव, मर!

आऽऽऽह! यह क्या था? वो तो शुक्र है कि मेरी स्टार लाइन ब्रेसलेट में अटकी रह गई!
वर्ना घूमते सिर के साथ जमीन से जा टकराता। खैर! इस बार मैं इस दैत्य के लिए तैयार हूं!
तू 'सोनिक बेट' से नहीं बच सकता ध्रुव!
ओह! इसकी गति तो बहुत तेज है!
पता ही नहीं लगा कि ये कब मुझ तक पहुंच गया!
इस बार मैं इसके लिए तैयार रहूंगा। अब मुझे इसकी गति का अन्दाजा हो गया है!
लेकिन इस बार सोनिक बेट ने-
अपना वार करने का तरीका बदल दिया-

आऽऽऽह! सोनिक बूम!
धमममममममम
हा हा हा! मेरी शक्तियों के सामने बड़े-बड़ों के होश उड़ जाते हैं! अब इसकी गर्दन को धड़ से उखाड़कर अलग कर दूंगा!
लेकिन-
मैं बेहोश होने का नाटक इसलिए कर रहा था ताकि थोड़ी देर के लिए तुझे स्थिर कर सकूं!
ध्रुव को बेहोश करने के लिए तेरा वार पर्याप्त नहीं था, सोनिक बैट!
तेरे उड़ने के दिन खत्म हुए, सोनिक बैट!

ध्रुव के हाथ सोनिक बैट के परों पर कस गए-

कड़ाक
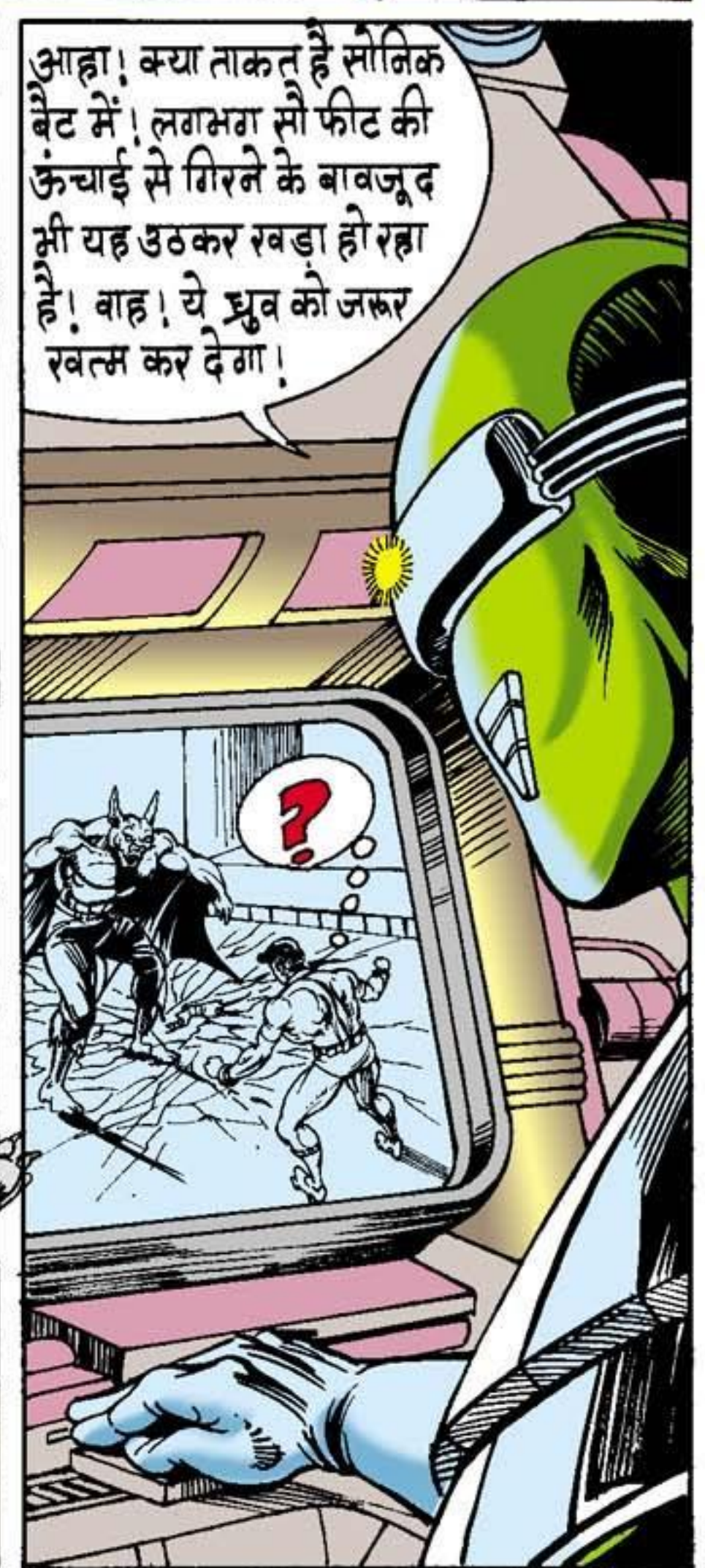
हड्डी टूटी-

और दोनों ही-

आहा! क्या ताकत है सोनिक बैट में! लगभग सौ फीट की ऊंचाई से गिरने के बावजूद भी यह उठकर खड़ा हो रहा है! वाह! ये ध्रुव को जरूर खत्म कर देगा!

?

मैंने इसके एक पंख की हड्डी को तोड़कर इसकी तेज गति से उड़ सकने वाली शक्ति को तो खत्मकर दिया है, लेकिन इसकी शारीरिक शक्ति भी बेमिसाल है!
मुझे इससे बचकर रहना होगा! वर्ना एक के बाद दूसरा वार मेरा शरीर सह नहीं पाएगा!
लेकिन-
धमाक
आह! यह तो जितना तेज उड़ता है, उतनी ही तेज दौड़ता भी है। दिमाग अंधेरे में डूब रहा है!
इसको रोकना होगा! रोकना होगा!
चमगादड़ लगभग अंधे होते हैं, और तेज रोशनी सहने के आदी नहीं होते! इसमें भी वही कमजोरी है। सिग्नल फ्लेयर की तेज रोशनी से इसको तकलीफ पहुंच रही है। यही मौका है!
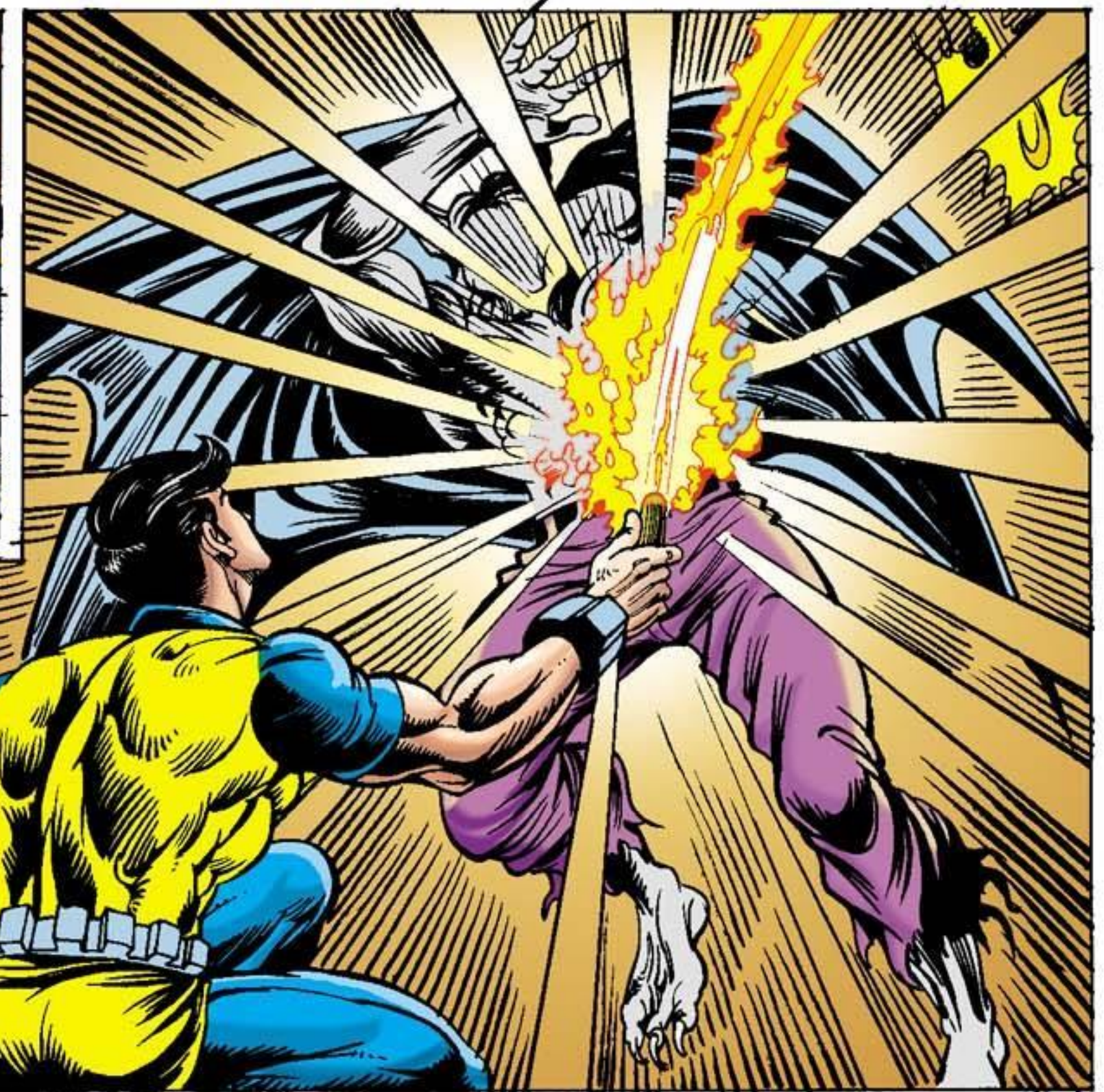
इसको काबू में करने का!
ताड़ड़ड़
लेकिन-
कालध्वनि
धड़ाक
आऽऽऽह! अब ये अपनी 'रडार सेंसेज' का इस्तेमाल कर रहा है!
ध्रुव एक बार फिर सोनिक बैट के शिकंजे में फंस गया-
आऽऽऽह!
दम घुट रहा है! अब कौन सा तरीका आजमाऊं! सारे तरीके तो आजमा चुका!
ध्रुव को दिमाग लगाने की जरूरत नहीं पड़ी-
ये क्या?

ये तो 'ध्वनि-वार' था! ये किसने ? ओह! चमकते शरीर वाली लड़की! और साथ में ध्वनि ऊर्जा की शक्ति! ये तो निनाद के अलावा और कोई हो ही नहीं सकती!
अब मुझे क्या इससे लड़ना पड़ेगा?
सेटेलाइट कैमरे की मदद से पूरा दृश्य देख रहा ध्वनिराज भी आश्चर्य चकित था-
मेरे सारे यंत्र तो यही संकेत दे रहे हैं कि यह लड़की शुद्ध ध्वनि ऊर्जा से बनी हुई है। लेकिन... लेकिन ये कैसे हो सकता है! ओफ! मैं दृश्य देख तो सकता हूं, लेकिन इनकी बातें सुन नहीं सकता!
वर्ना मुझे पता चल जाता कि यह लड़की किसकी ईजाद है!
तुमको मुझसे लड़ना नहीं पड़ेगा ध्रुव! क्योंकि मैं तुम्हारी दुश्मन नहीं दोस्त हूं!
ये कद-काठी! और ये चेहरा! ये चाहे बदल गए हों, लेकिन फिर भी मैं तुमको पहचान सकता हूं!
नताशा!
ओह! मैं यह जानकर बहुत खुश हूं कि तुम जिन्दा हो! चाहे इस रूप में हो, लेकिन जिन्दा हो!
लेकिन ध्वनिराज को यह जानकर खुशी नहीं होगी, ध्रुव! क्योंकि उसी के कारण मैं अपना इंसानी रूप खोकर एक 'ध्वनि-प्राणी' बन गई हूं!
और इस गलती की कीमत ध्वनिराज की जान है!
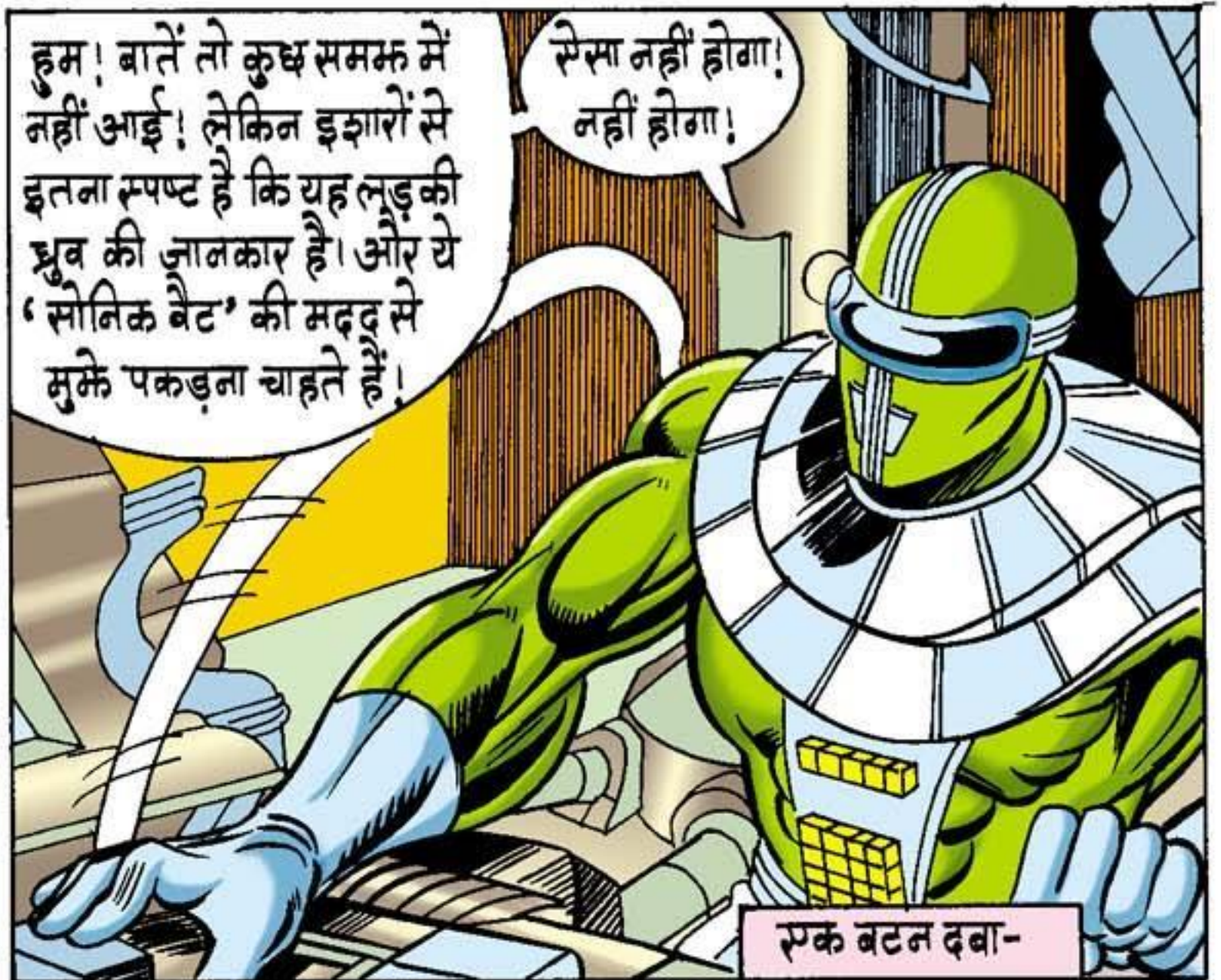
मेरे वैज्ञानिकों में एक ध्वनिराज का आदमी भी था! उसका मुखबिर! उसी ने मुझे बताया है ध्वनिराज का अड्डा काली पहाड़ी की चोटी पर है!
अब तुम अगर मेरा साथ दो तो ध्वनिराज के आतंक को हमेशा के लिए खत्म किया जा सकता है!
मैं तुम्हारा साथ जरूर दूंगा, नताशा...

...लेकिन ध्वनिराज को पकड़ने में! उसको मारने में नहीं!
वैसे भी ध्वनिराज अपने अड्डे बदलता रहता है! वह तुमको काली पहाड़ी पर नहीं मिलेगा!
फिर हम उसे कैसे ढूंढेंगे?

इसकी मदद से! यह होश में आते ही उड़कर वहीं जाएगा, जहां पर इसका मालिक ध्वनिराज है!
और हम जाएंगे इसके पीछे!
गुड आइडिया! यानी हमको बस छिप-कर इसके होश में आने का इंतजार करना है!

हुम! बातें तो कुछ समझ में नहीं आईं! लेकिन इशारों से इतना स्पष्ट है कि यह लड़की ध्रुव की जानकार है। और ये 'सोनिक बैट' की मदद से मुझे पकड़ना चाहते हैं!
ऐसा नहीं होगा! नहीं होगा!
एक बटन दबा-

और इधर - सोनिक बैट के सर में पैवस्त एक बम फट पड़ा-
ओह!

और इसके लिए मैं इस्तेमाल करूंगा इस शहर के 'मोबाइल-फोन' सिस्टम का!

हम ध्वनिराज के हमले का इंतजार करने में समय क्यों व्यर्थ करें नताशा! चलो, मैं तुमको राजनगर यूनिवर्सिटी की साउंड रिसर्च लैब में ले चलता हूं!

वे तुमको इंसानी रूप में वापस लाने का कोई न कोई तरीका जरूर निकाल...

... आऽऽऽह!

तड़ाक

नताशा! संभालो अपने आपको! ये तुमको एकाएक क्या हो रहा है?
नताशा नहीं, निनाद बोल मुझे। निनाद यानी तेरी मौत!
लिबर्टी
SHOW
कड़ाक
ओह! यही है ध्वनिराज का वह वार, जिसका मैं इंतजार कर रहा था!
ध्वनिराज ने किसी तरह से नताशा के दिमाग को कब्जे में कर लिया है!
मुझे मारने के चक्कर में नताशा पब्लिक प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचा रही है। इसको किसी ऐसी जगह ले जाना होगा, जहां पर इसके वार ज्यादा नुकसान न कर पाएं!
और ऐसी एक परफेक्ट जगह है...

ये पिक्चर हॉल! पिक्चर हॉल की दीवारों को खास तौर से ऐसा बनाया जाता है कि वे 'आवाज' को सोखकर बाहर जाने से और प्रतिध्वनित होने से रोक सकें!
ENTRY
हॉल खाली है! नाइट शो भी खत्म हो चुका है!
यहां पर नताशा जो भी वार करेगी, वे यहीं तक सीमित रहेंगे!...
...और इस तोड़-फोड़ का हर्जाना मैं ध्वनिराज से वसूल लूंगा!
EXIT
मेरा ख्याल सही निकला! नताशा के वार इन दीवारों को मामूली सा नुकसान पहुंचा पा रहे हैं! मेरा दिमाग इस तरफ से निश्चिन्त हो गया है!
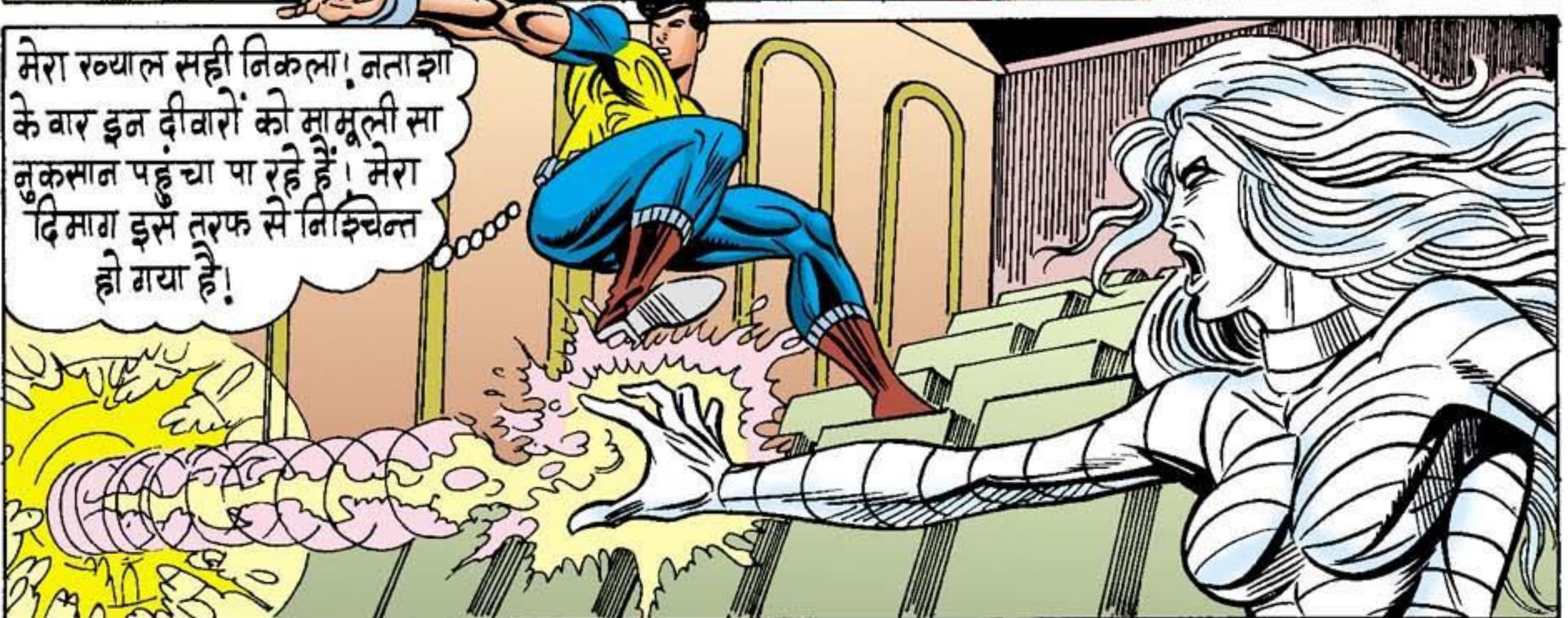
...अब मैं आराम से नताशा को रोकने का प्रयास कर सकता हूंऽऽऽऽऽ
आऽऽऽऽह! इसके शरीर से मेरे पैर का स्पर्श होते ही मेरा पूरा बदन थरथराने लगा है...
...इसने ध्वनि कंपनों को मेरे शरीर में ट्रांसफर कर दिया है। अपने आपको संभालना तक मुश्किल हो रहा है।... इसको रोकूं तो कैसे?
ध्वनि को भला क्या रोक सकता है?
इस सवाल का जवाब मुझे राजनगर यूनिवर्सिटी के साउंड एक्सपर्ट डॉक्टर सेन देंगी!
तू भाग नहीं सकता। क्योंकि तू ध्वनि से तेज नहीं दौड़ सकता! निनाद तब तक तेरा पीछा करेगी, जब तक यमदूत तेरे प्राण नहीं ले जाता!
EXIT
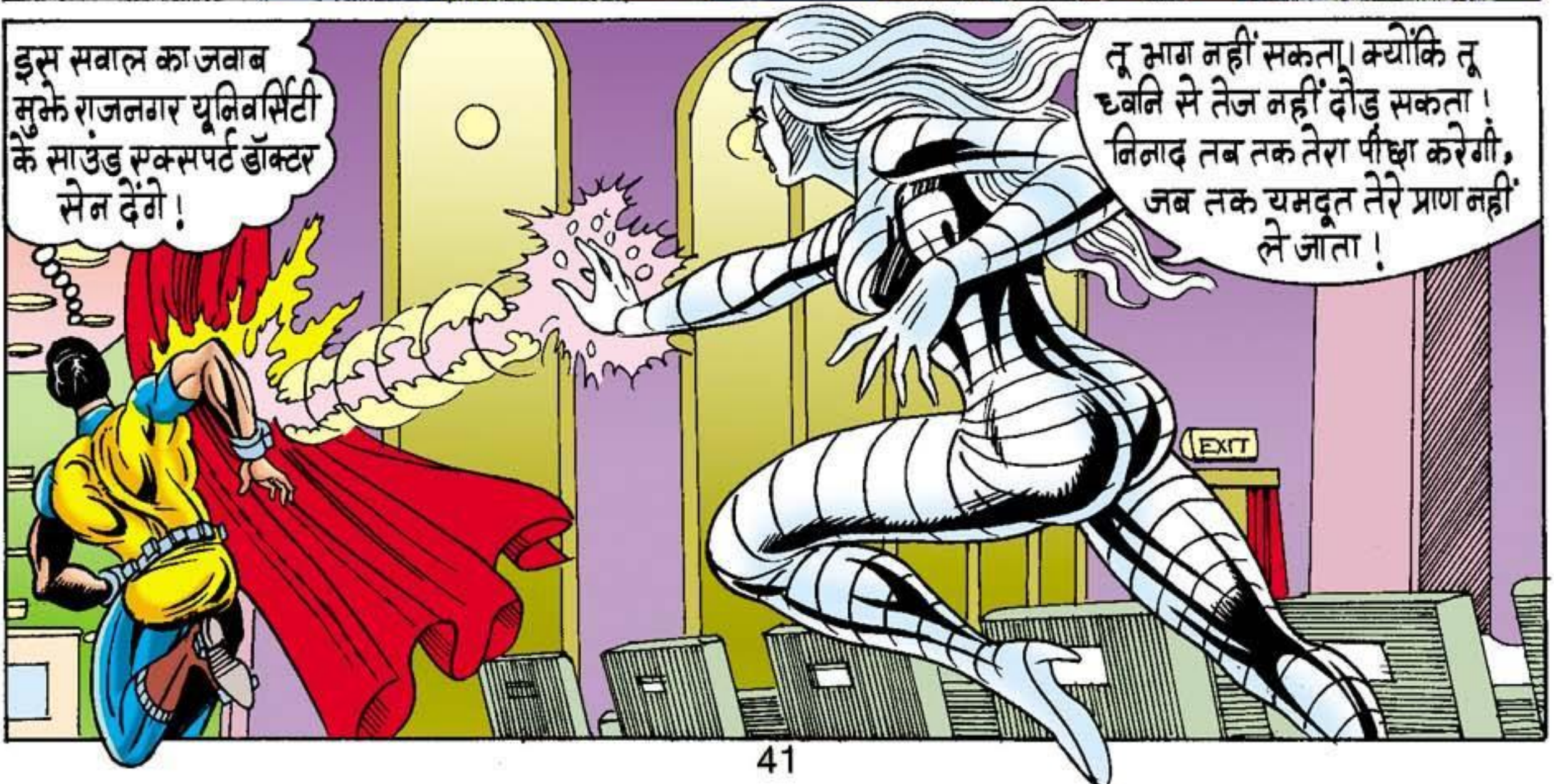
ध्रुव, नताशा को अपने पीछे भगाता हुआ, वहां तक तो ले आया था-
SOUN R CH L
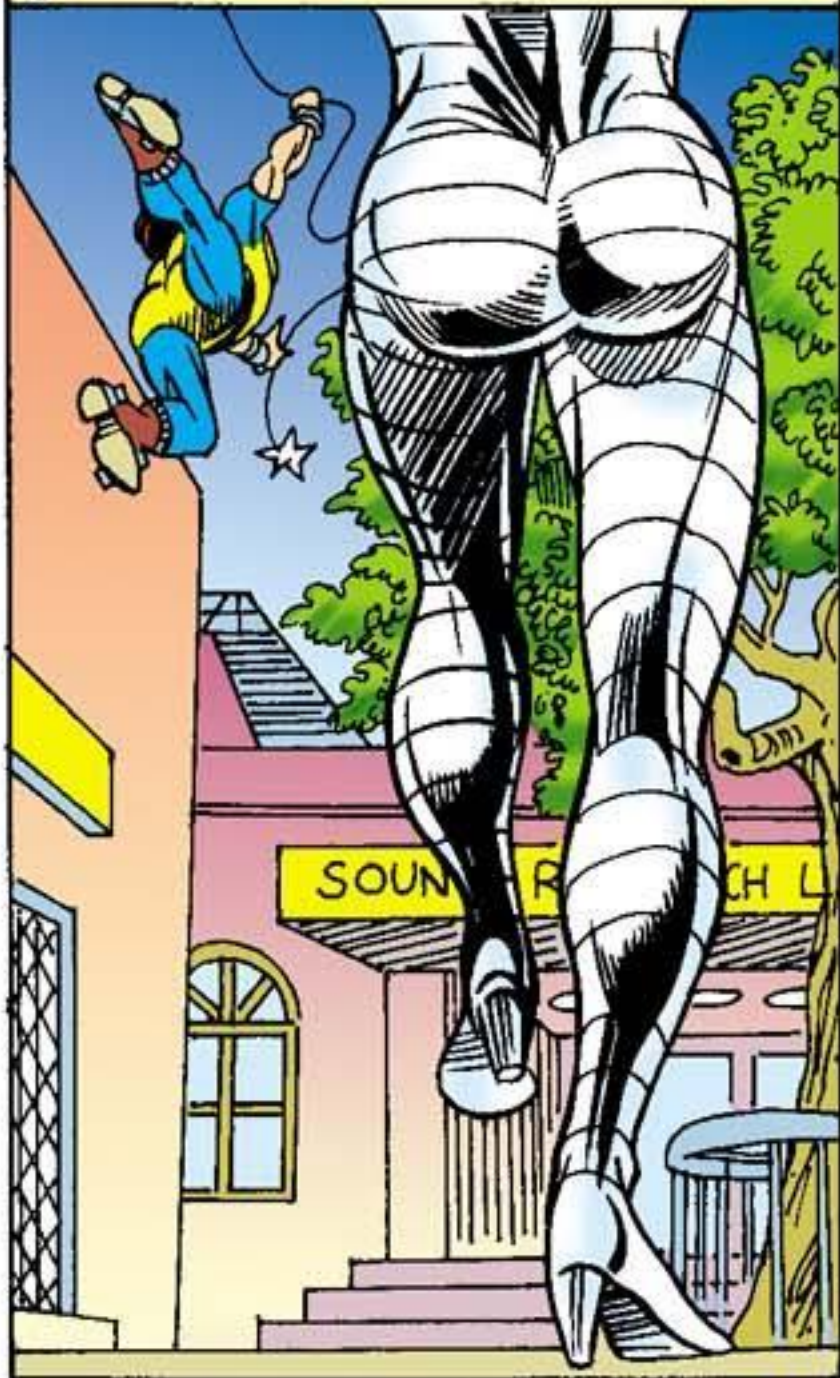
जहां पर वह उसे पहले ही लाना चाहता था-
राजनगर विश्वविद्यालय के साउंड रिसर्च सेंटर में-
ध्रुव, तुम? और... ओ माई गॉड! ये क्या चीज है?

यह एक आम लड़की है डॉक्टर सेन! जिसका शरीर ध्वनि ऊर्जा सोखकर शुद्ध ध्वनि ऊर्जा का ही बन गया है! आपको इसे सामान्य रूप में लाना है!
इंपासिबिल ध्रुव!
हमारी रिसर्च अभी इस काबिल नहीं है कि हम ऐसा कर सकें! मुझे तो यकीन भी नहीं आ रहा है...
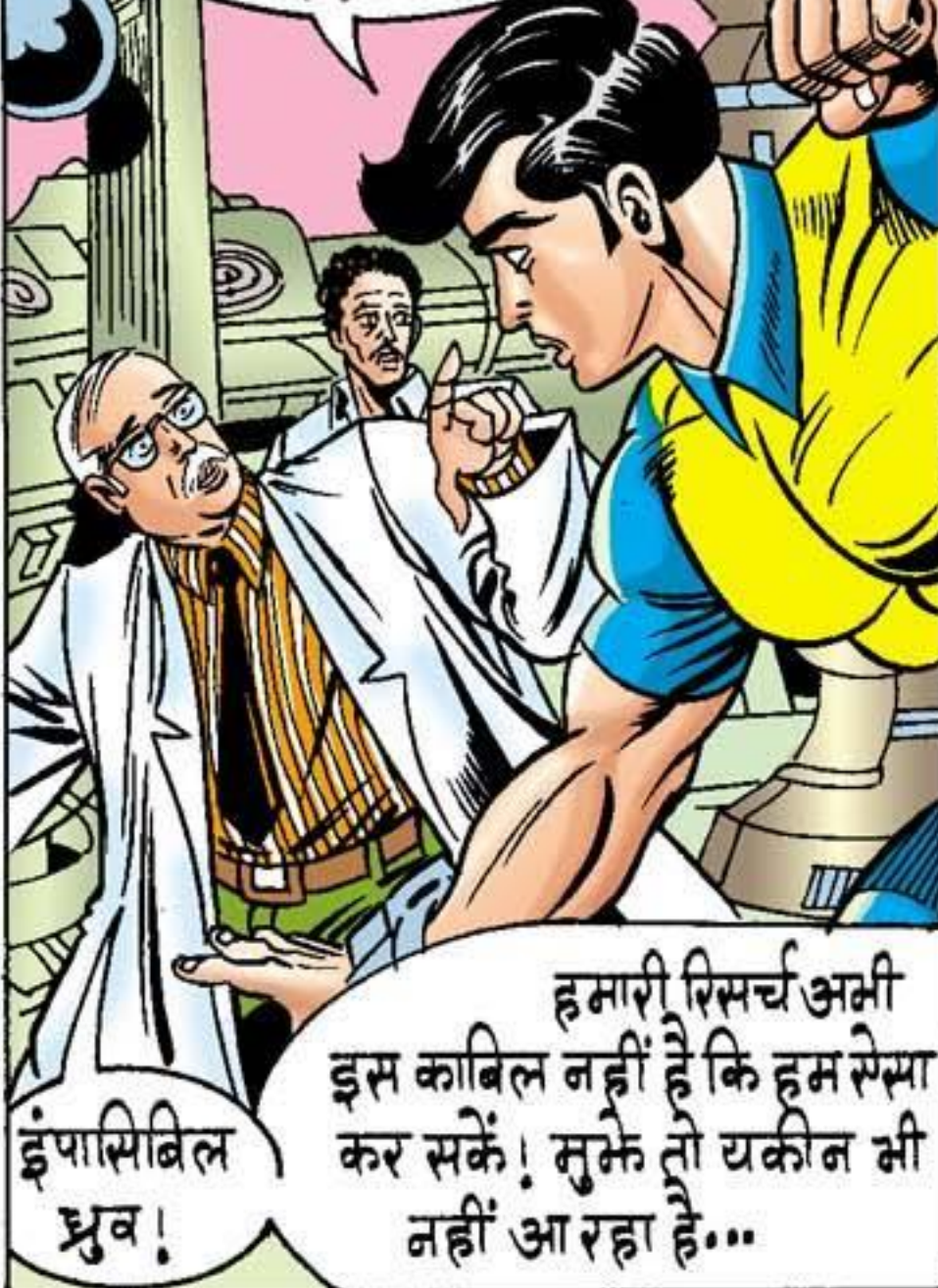
...कि कोई प्राणी शुद्ध ध्वनि ऊर्जा का बना हुआ भी हो सकता है!

तो फिर आप लोग बाहर निकलिए! जो करना है अब मैं ही करूंगा!
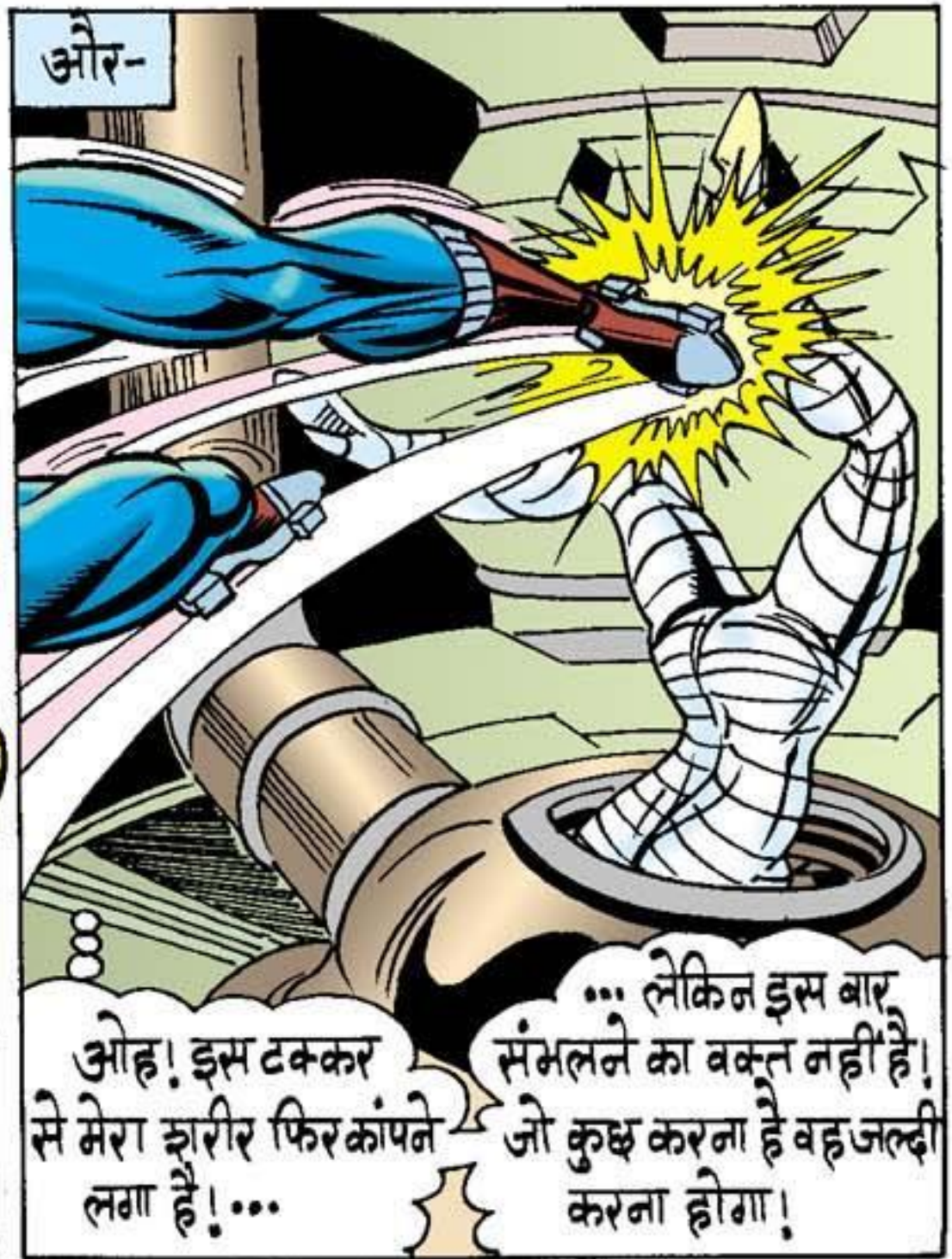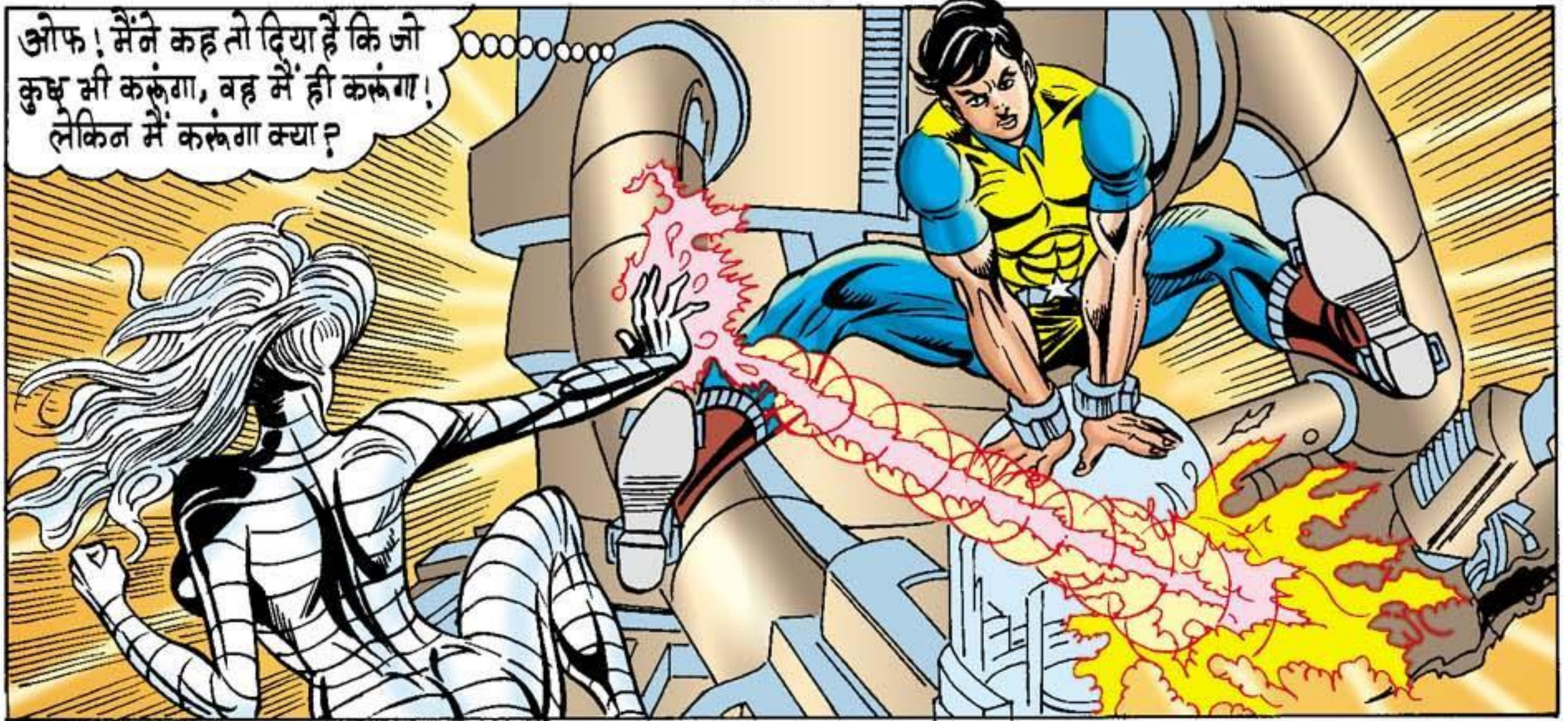
ओफ! मैंने कह तो दिया है कि जो कुछ भी करूंगा, वह मैं ही करूंगा! लेकिन मैं करूंगा क्या?

सिवाय बचते रहने के!
निनाद का वार खाकर ध्रुव कई फुट ऊपर जा गिरा-
आऽऽऽह!

ओह! अब तो शरीर भी थक रहा है! फुर्ती कम हो रही है! अगले वार से बचना भी मुश्किल लग रहा है। लेकिन... अरे! यह क्या?
बन गया काम!

इस बार नताशा के आगे बढ़ते ही ध्रुव भी आगे बढ़ा-

और-
ओह! इस टक्कर से मेरा शरीर फिर कांपने लगा है!...
... लेकिन इस बार संभलने का वक्त नहीं है! जो कुछ करना है वह जल्दी करना होगा!

और-

ये... ये क्या हो रहा है ? मेरे वार तो वार, मेरा स्पर्श तक इस शीशे की दीवार को तोड़ नहीं पा रहा है !

और... और मेरे 'ध्वनिवार' भी मेरे हाथों तक ही सिमटकर रह रहे हैं। तूने मुझे ये कहां बन्द कर दिया है ?
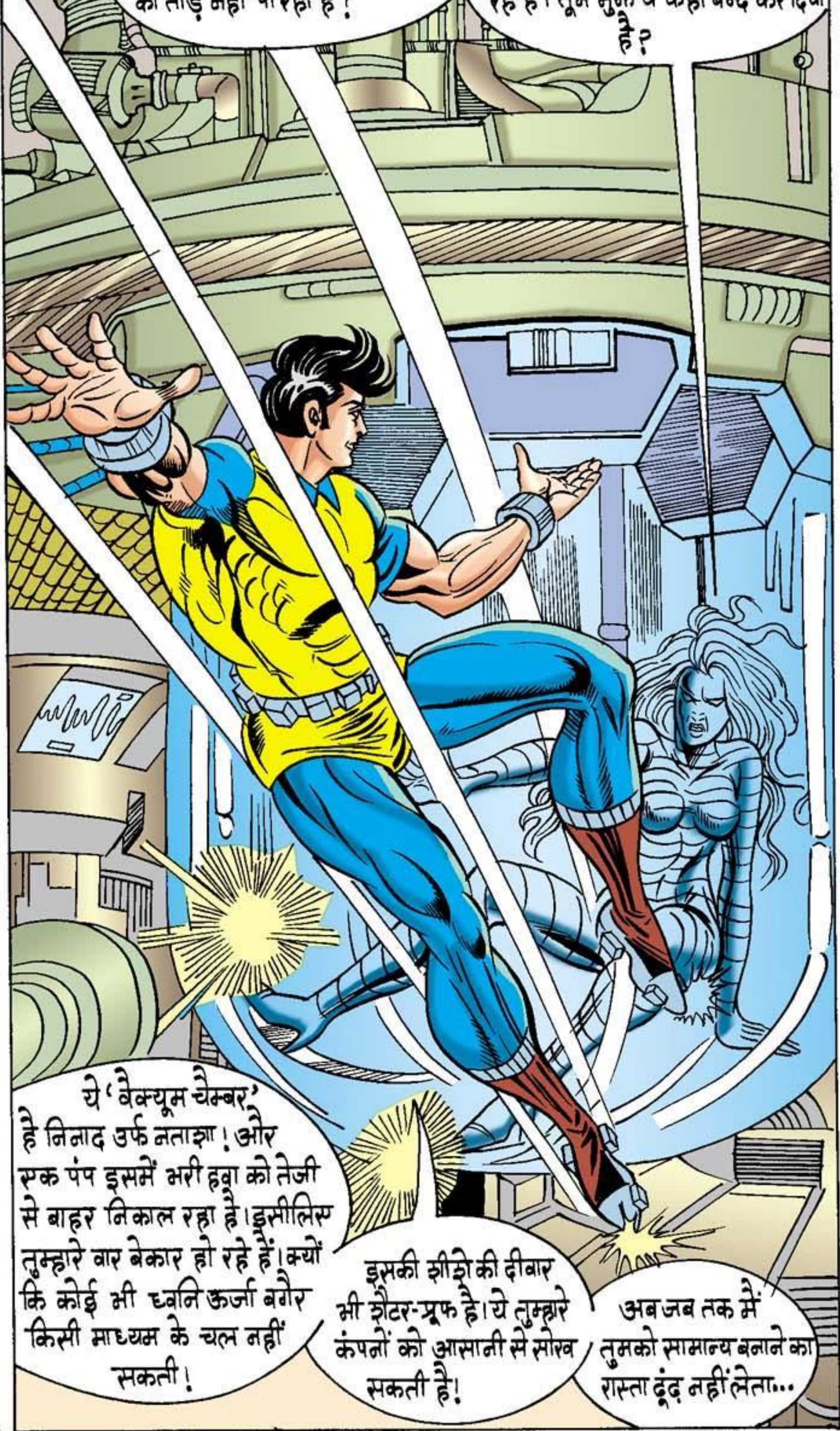
ये 'वैक्यूम चेम्बर' है निनाद उर्फ नताशा ! और एक पंप इसमें भरी हवा को तेजी से बाहर निकाल रहा है। इसीलिए तुम्हारे वार बेकार हो रहे हैं। क्यों कि कोई भी ध्वनि ऊर्जा बगैर किसी माध्यम के चल नहीं सकती !

इसकी शीशे की दीवार भी शैटर-प्रूफ है। ये तुम्हारे कंपनों को आसानी से सोख सकती है!

अब जब तक मैं तुमको सामान्य बनाने का रास्ता ढूंढ़ नहीं लेता...

...तब तक तुमको इसी 'वैक्यूम चेम्बर' में कैद रहना पड़ेगा! और चूंकि इस वक्त तुम एक ध्वनि प्राणी हो, इसलिए तुम निर्वात में भी जिन्दा रह सकती हो!
अफसोस तो इस बात का है कि ध्वनिराज की खोज करने में अब मैं तुम्हारी मदद नहीं ले पाऊंगा!
अरे! ध्रुव अकेला बाहर आ रहा है। यानी... यानी इसने उस लड़की को मात दे दी! यकीन नहीं होता! अब ये मेरे पीछे पड़ जाएगा!
मेरे पास 'साउंड कंवर्टर' बनाने का वक्त नहीं है! मुझे भीषण ध्वनि ऊर्जा प्राप्त करने का कोई दूसरा जरिया ढूंढ़ना पड़ेगा!... वह ऊर्जा जो वायब्रेनियम सोख सके!
और अब मौसम की जानकारी! पहले पश्चिम का मौसम! राजनगर में तेज तूफान के साथ गरजदार बारिश होने की आशंका है!
तूफान! गरजदार तूफान!
मेरा काम बन गया! लेकिन ये वायब्रेनियम अभी अपने आप ऊर्जा सोखने लायक नहीं है। मेरी तोप ये काम करेगी। लेकिन उसके लिए मुझे खुद तूफान में जाना होगा! जान पर खेलना होगा!
मैं खेलूंगा! दांव पर लगेगा राजनगर! और जीतूंगा मैं! ध्वनिराज!

राजनगर ने ऐसा तूफान कई वर्षों बाद देखा था-
कड़कती बिजलियों की लकीरें, घमासान बारिश की धाराओं के साथ, धरा को थर्रा रही थी-
और हवा के तेज थपेड़े हर उस चीज को उठा लिए जा रहे थे, जो खुले आसमान के नीचे थी।
धड़कनें रोक देने वाले इस तूफान में-
एक शख्स अभी भी अपने पैर जमाए हुए था-
कड़ड़ड़ड़
गरज! और गरज! यही आवाज सुनने को तो मेरी तोप के कान तरस रहे हैं!
गड़गड़गड़गड़ड़ड़
वायब्रेनियम को ध्वनि की शक्ति चाहिए! और ऊर्जा चाहिए! बेशुमार ऊर्जा!
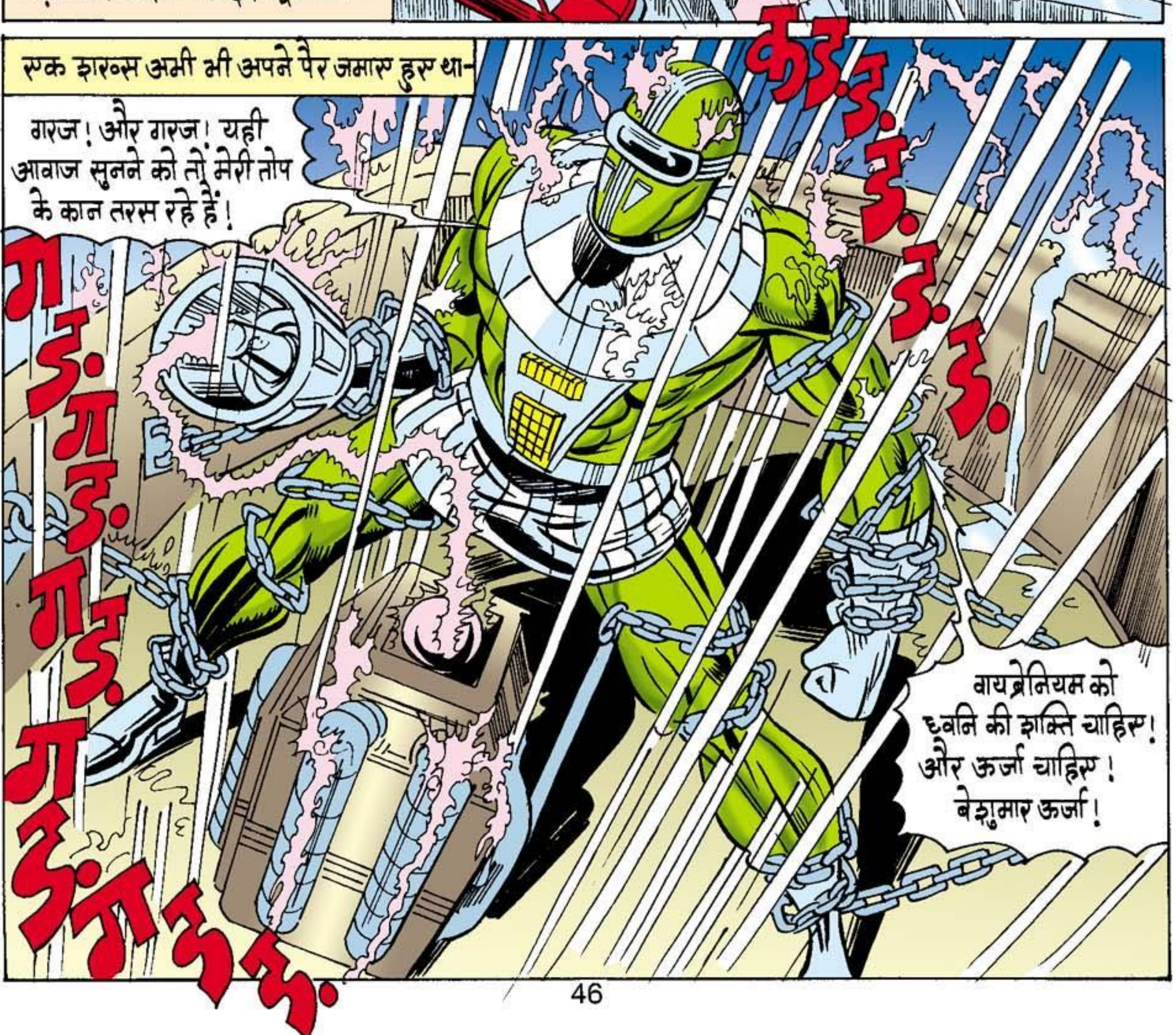
बादलों की भीषण गरज और बिजलियों की कर्णभेदी कड़क से वायब्रेनियम में ध्वनि ऊर्जा भरती जा रही थी–
और वायब्रेनियम की चमक धीरे-धीरे बढ़ती हुई–
आंखें चौंधिया देने वाले स्तर पर पहुंच गई थी–
हा हा हा! बन गया मेरा हथियार! कालध्वनि! जो राजनगर वासियों के लिए मौत की आवाज बनेगा! और राजनगर की बलि लेने के बाद मैं पूरी दुनिया से फिरौती वसूलूंगा!
साढ़े पांच अरब लोगों की जान की कीमत!
सारी दुनिया पर राज करेगा ध्वनिराज! सारी दुनिया पर!
ऐसा तूफान बीस साल बाद आया है ध्रुव! न जाने कितनी तबाही मचाकर जाएगा!
अगर कोई अपराधी ऐसा करता तो मैं उसे रोकने की कोशिश जरूर करता पापा! लेकिन भगवान को कैसे रोकूं?
भगवान को कोस रहे हो? देखना, भगवान का कहर तुम्हारे ऊपर जरूर टूटेगा!
कैसे टूटेगा?
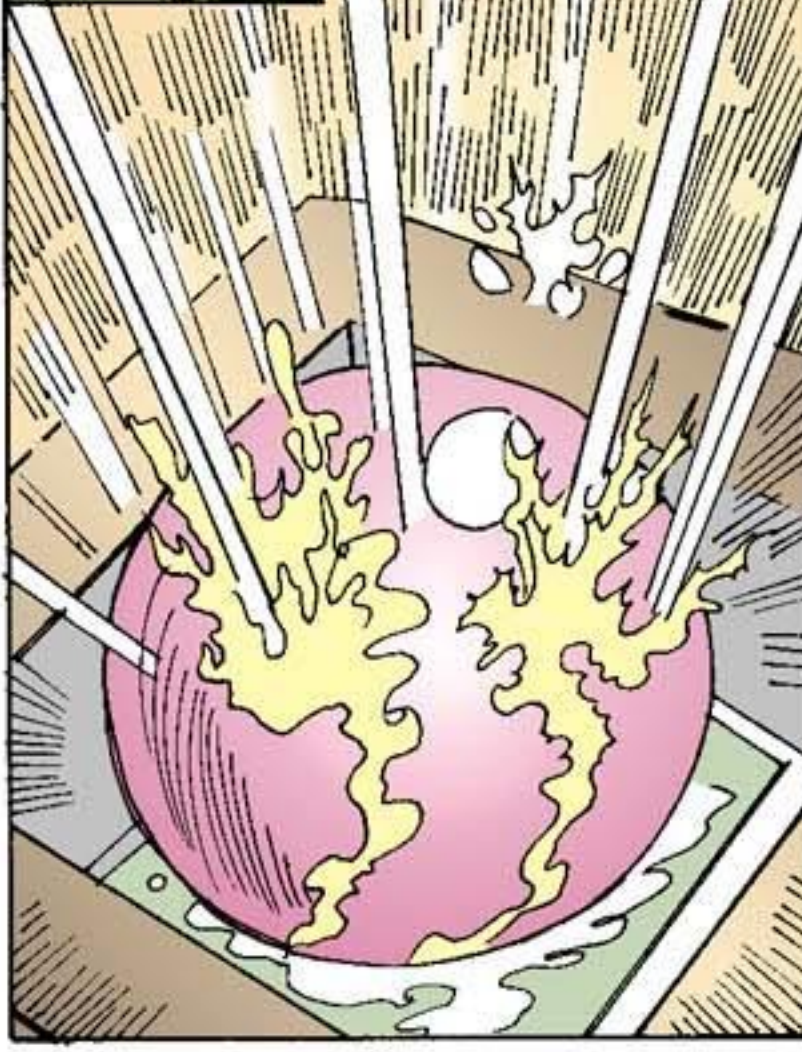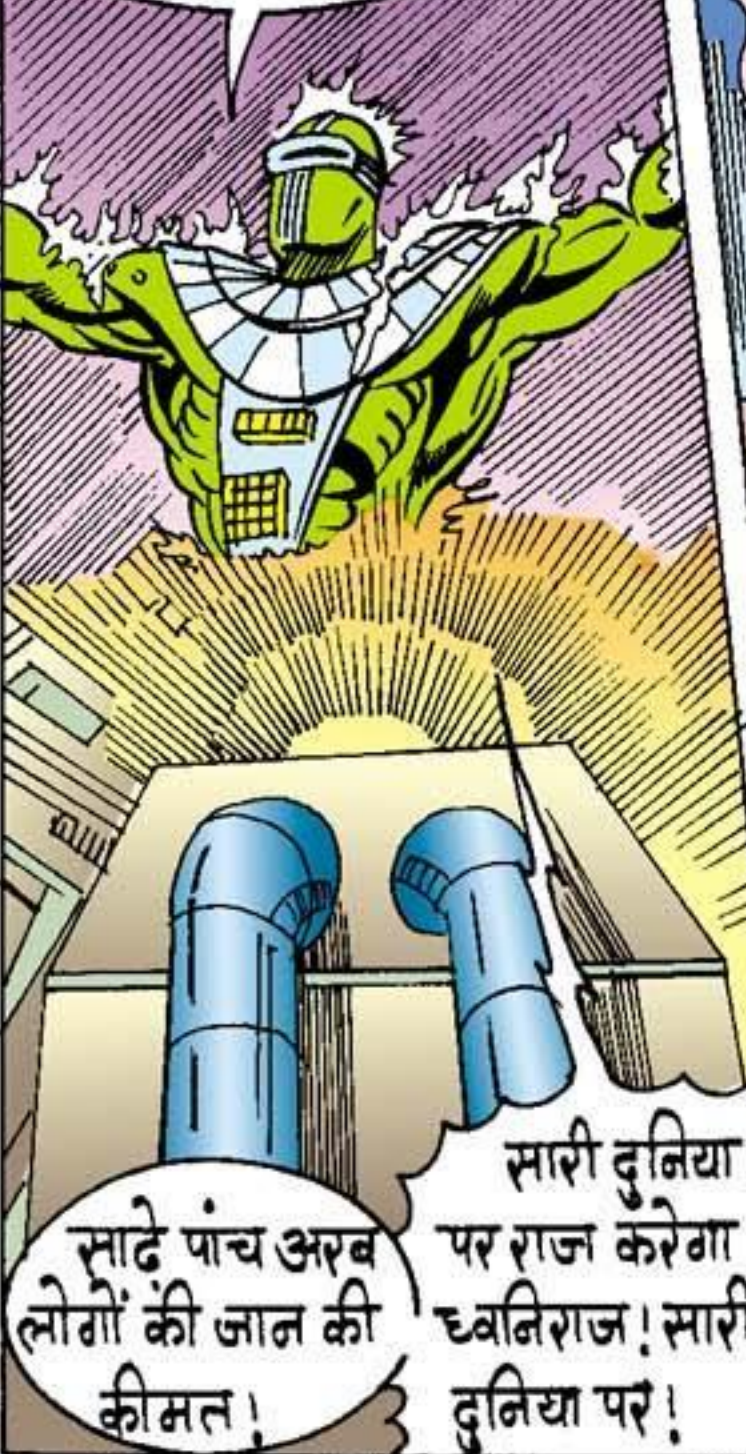
टी॰ वी॰ ऑन हुआ—

राजनगर के भाग्यशाली वासियों! ध्वनिराज ने तुम्हारे शहर को अपने खास हथियार कालध्वनि की टेस्टिंग के लिए चुना है!

ये भूकंप जैसे झटके उसी का परिणाम है!

मेरी ऐसी पहली कोशिश बेकार कर दी गई है! लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा! क्योंकि इस बार ध्वनिराज तुम्हारे शहर को कालध्वनि की उन ध्वनि तरंगों की मदद से तबाह करेगा, जो पूरे शहर में भूकंप जैसे झटके ला देंगी!

और इतने बड़े शहर में कालध्वनि कहां छिपा हुआ है, इसका पता तुम तो क्या, सी॰ आई॰ ए॰ वाले भी नहीं लगा सकते!

अब राजनगर को धूल में मिलाकर मैं दुनिया के सामने अपने हथियार कालध्वनि की घातक क्षमता का प्रदर्शन करूंगा। यह मेरे हथियार की टेस्टिंग भी होगी, और मेरा प्रतिशोध भी!
ऐसा नहीं होगा ध्वनिराज! राजनगर के धूल में मिलने से पहले मैं तुझे धूल में मिला दूंगा!
मैं कालध्वनि को ढूंढूंगा! सोचो, ध्रुव, सोचो! ध्वनिराज कालध्वनि को कहां छिपा सकता है!
शहर के बीचोबीच में? जहां से ध्वनि तरंगें हर दिशा में समान रूप से फैल सकें? नहीं! ऐसा करते उसको कई लोग देख लेते! फिर कहां?
एक बात तो तय है कि कालध्वनि को जमीन के नीचे फिट किया गया है!
ध्वनिराज, कालध्वनि का दुबारा भी प्रयोग करना चाहता है! यानी कालध्वनि को वह ऐसी जगह पर फिट करेगा, जहां से वह उसे निकाल भी सके! अगर राजनगर मलबे का ढेर बन गया तो फिर कालध्वनि भी उसी में दब जाएगा। यानी कालध्वनि ऐसी जगह पर है, जहां पर वह ज्यादा मलबे के नीचे न दबे!

इस संबंध में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें : क्विज मास्टर
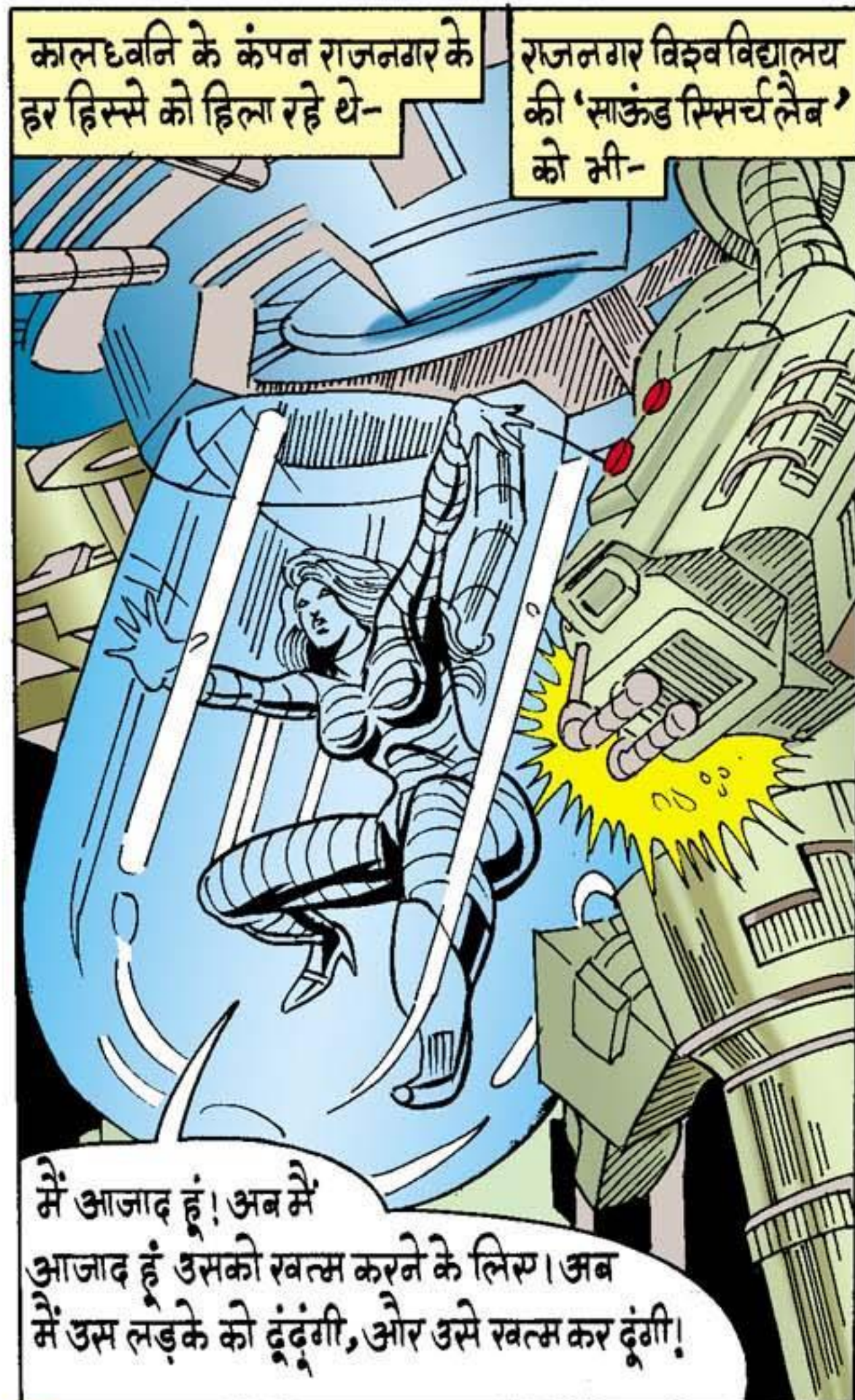
ध्रुव, मौत को चुनौती दे रहा था-
आऽऽऽह! कंपन और तीव्र होते जा रहे हैं! खड़ा रहना तक मुश्किल है। ऐसा लग रहा है, जैसे शरीर का सारा मांस कांपकर हड्डियों से अलग हो जाएगा!
यानी मैं सही दिशा में बढ़ रहा हूं! कालध्वनि इसी तरफ फिट है!

कालध्वनि तक जाने की जरूरत नहीं है!...

... तेरी मांस और हड्डियों को मैं अलग कर दूंगी!
नताशा!
नताशा! इस वक्त मेरा रास्ता मत रोको! मुझे कालध्वनि तक पहुंचना है!...

"...वर्ना राजनगर मलबे का ढेर बन जाएगा!"

नताशा कुछ समझ नहीं पा रही है! इसका दिमाग इसके वश में नहीं है! गुफाओं की जिन मजबूत चट्टानों को कालध्वनि के कंपन भी तोड़ नहीं पा रहे हैं, उनको इसके वार तोड़ दे रहे हैं!

लेकिन मुझे ये वक्त इससे लड़ने में नहीं गंवाना है। मेरा लक्ष्य 'कालध्वनि' को ढूंढ़ना है, और उसको निष्क्रिय करने का रास्ता ढूंढ़ना है!
अब कहां भाग रहा है? यहां पर तुझे बचाने के लिए कोई लैब नहीं है!
ध्रुव कंपनों की बढ़ती शक्ति के सहारे, कालध्वनि तक पहुंचने का रास्ता तलाश रहा था-
और थोड़ी ही देर बाद मंजिल उसकी आंखों के सामने थी-
कालध्वनि!
ओह! मैंने तो सोचा था कि वायब्रेनियम को इसके अन्दर से निकाल लूंगा, तो ये निष्क्रिय हो जाएगा!
लेकिन वायब्रेनियम दिखना या निकालना तो दूर, मैं तो यहां पर खड़ा तक नहीं हो पा रहा हूं!
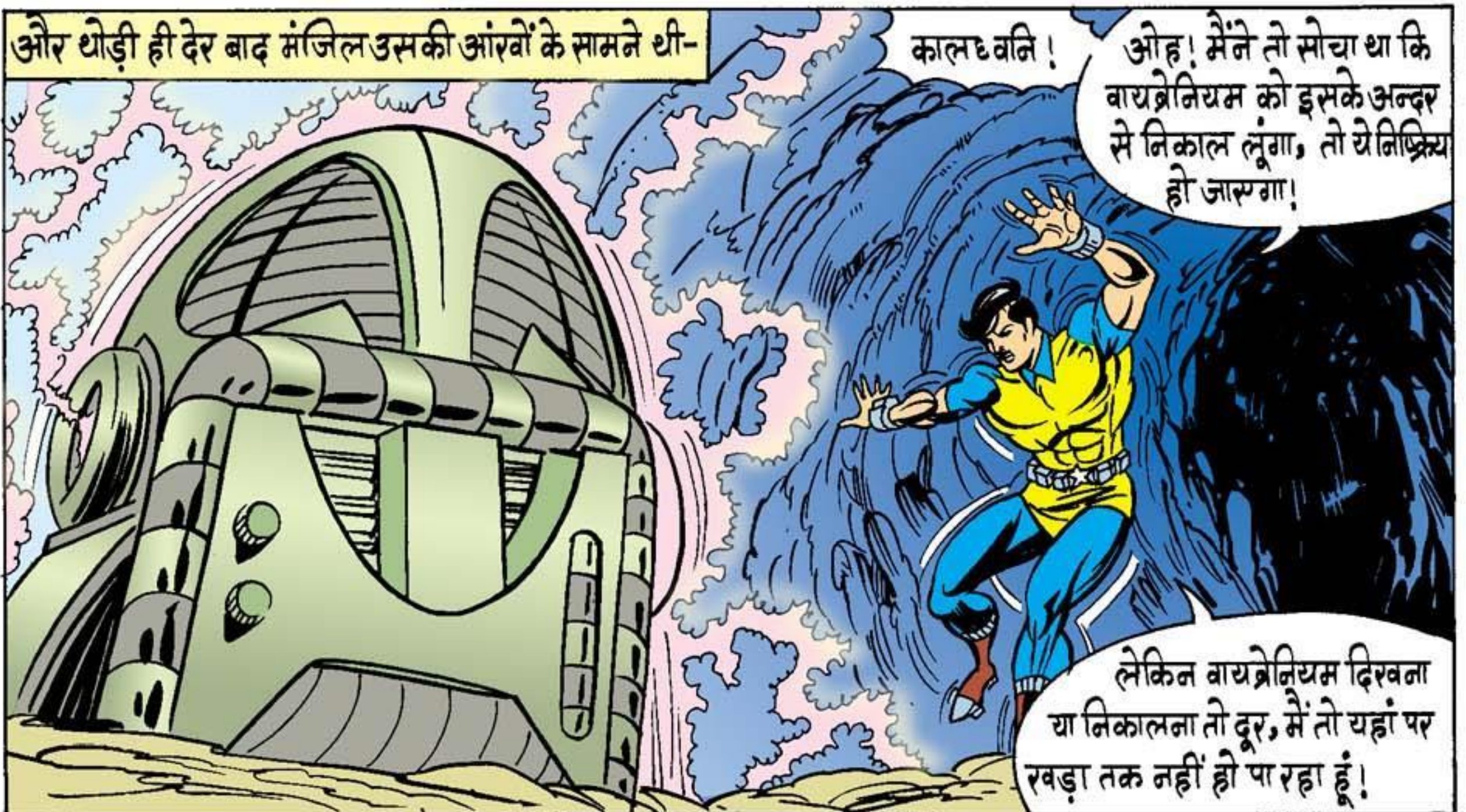
जो कंपन पूरे राजनगर की इमारतों को हिला डाल रहे हैं, उसके सामने मेरे हाड़-मांस के शरीर की भला क्या बिसात है! और वह भी तब, जब मैं ठीक कालध्वनि के बगल में खड़ा हूं!
कंपनों से अपने शरीर को बचाने का एक ही रास्ता है!
कि मैं जमीन पर खड़ा होने के बजाय स्टार लाइन पर झूलता रहूं!
सरटट
इस तरह मुझ तक आने वाले कंपनों की तीव्रता इतनी कम हो जाएगी कि उनको मैं सह सकूं!
अब मैं कालध्वनि से निपटने का कोई तरीका सोच... ओह!
नताशा! इसको तो मैं एक पल के लिए भूल ही गया था!
दीवार पर पड़ने वाले इसके वार तो चट्टानों को चूर-चूर कर रहे हैं! लेकिन कालध्वनि पर पड़ने वाले इसके वार, वायब्रेनियम द्वारा सोख लिए जा रहे हैं!...
... हुम! अब मुझे एक ऐसा रास्ता समझ में आ रहा है, जो नताशा और कालध्वनि, दोनों से ही एक साथ निपट सकता है!
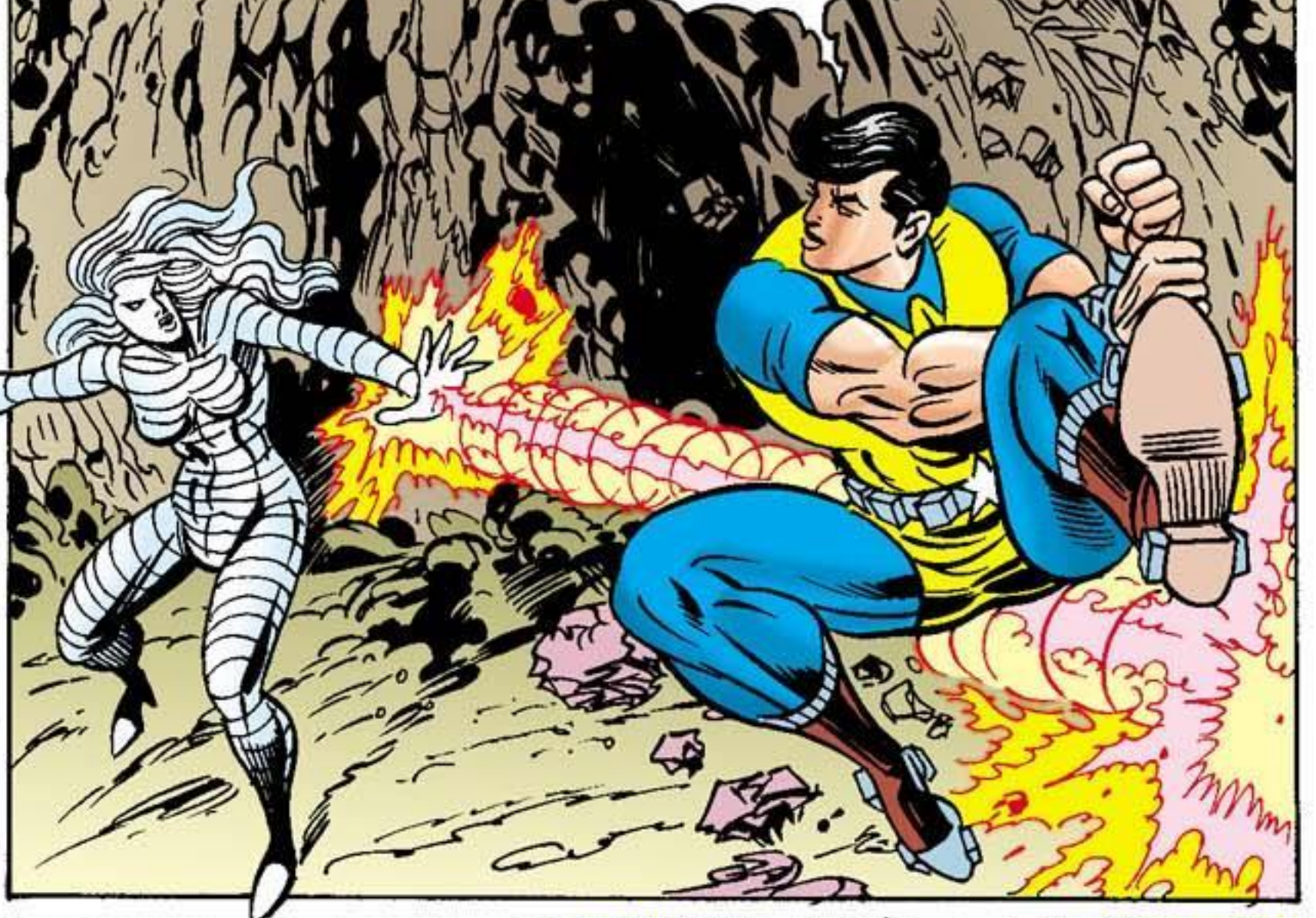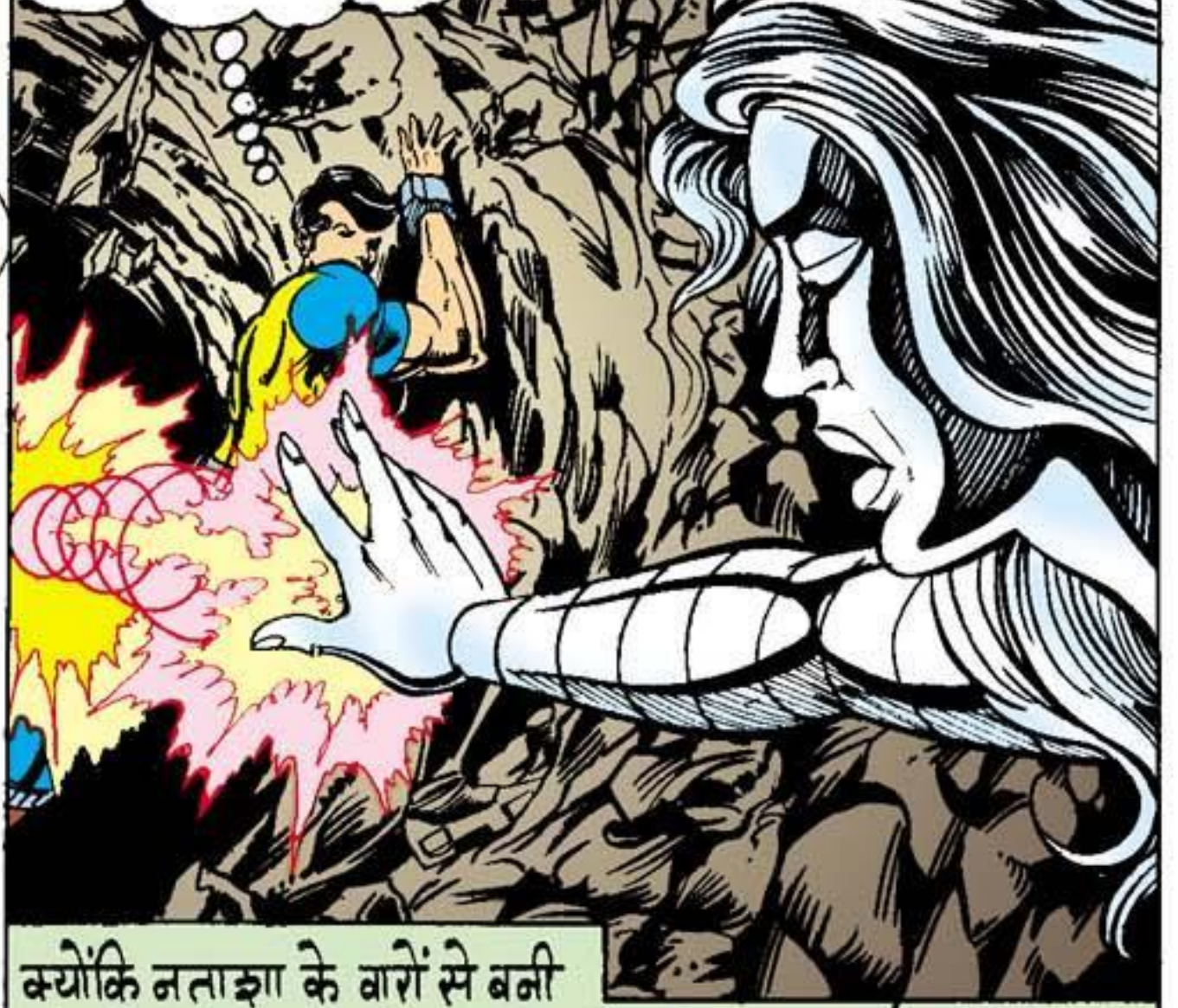
न ही आज कर रहा था–

और जो मैदान में डटे रहते हैं–

मंजिल उनके कदम खुद-ब खुद चूम लेती है–

समुद्र और गुफा के बीच की मोटी दीवार टूटते ही पानी तेज गति से सुरंग के रास्ते से घुसता हुआ-
आऽऽऽऽऽह !
गुफा में भरने लगा ! कुछ ही मिनटों में कालध्वनि पानी के नीचे था-
एक काम तो हो गया ! पानी चूंकि तरल पदार्थ है, इसलिए यह कालध्वनि के कंपनों को शिथिल कर देगा ! और समुद्र के संपर्क में आने से ये कंपन अब समुद्र में भी फैलेंगे, और अथाह पानी के अन्दर जज्ब होकर रह जाएंगे !
अब राजनगर सुरक्षित है !
अब दो काम बचे हैं ! नताशा और ध्वनिराज से निपटना। नताशा को ठीक करने का तरीका तो मेरे दिमाग में है, लेकिन ध्वनिराज को मैं कैसे ढूंढूंगा ?
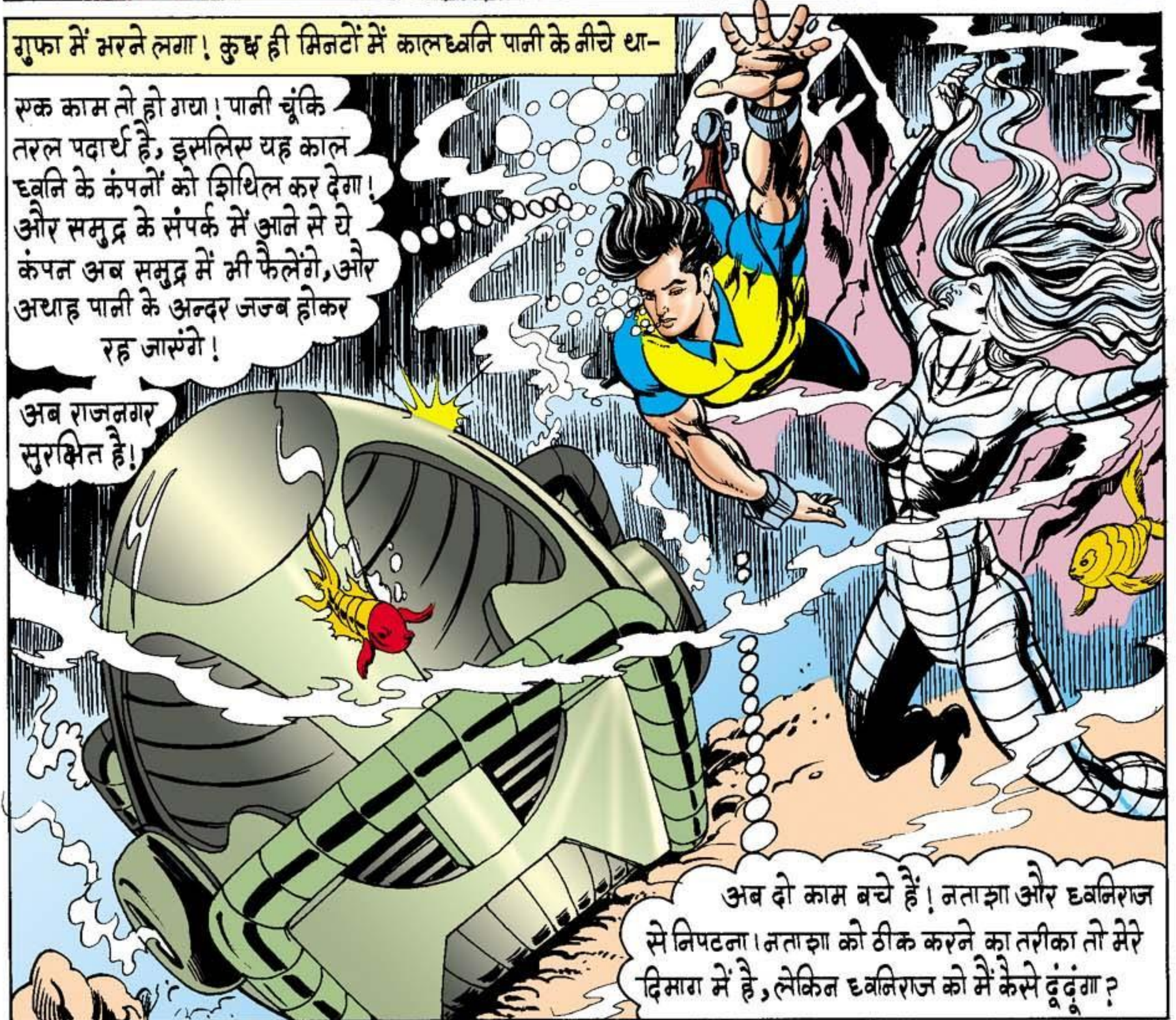
राजनगर पर नजर रख रहा ध्वनिराज एकाएक चौंक उठा-

ये... ये क्या हो गया? मेरे यंत्र बता रहे हैं कि राजनगर में फैल रहे ध्वनि तरंगों के झटके खत्म हो गए हैं!

इसका तो एक ही मतलब है! सिर्फ एक! और वह ये कि ध्रुव ने किसी तरह से कालध्वनि को बेकार कर दिया है!

उस शैतान के बच्चे को तो मैं जान से मार डालूंगा! लेकिन उसके लिए मुझे यहां से फटाफट निकलना होगा! वरना ध्रुव का क्या भरोसा? कहीं उसने मेरा यह अड्डा भी ढूंढ निकाला तो...

मैंने तुम्हारा अड्डा ढूंढ निकाला है ध्वनिराज!

मर गया!

ध्रुव! ये अड्डा तो गुप्त है! तू... तू यहां तक कैसे पहुंच गया?

मामूली सी बात थी ध्वनिराज! राजनगर में तो तुम भूकंप के झटके खाने के लिए रहते नहीं!

लेकिन कालध्वनि फिट करने के लिए तुम्हारा राजनगर के पास रहना जरूरी था!

और राजनगर के पास ऐसी जगह जहां पर भूकंप के झटके न पहुंच सकें, राजनगर के पास समुद्र में स्थित ऐसे छोटे- छोटे द्वीप ही हो सकते थे!

बस, ये ख्याल आते ही मैंने कुछ समुद्री चिड़ियों को छानबीन के लिए भेज दिया, और उन्होंने इस द्वीप पर बने तुम्हारे अड्डे को ढूंढ कर खबर मुझ तक पहुंचा दी!
और... और मेरा कालध्वनि?

वह इस वक्त अपनी ध्वनि तरंगें समुद्र में कहीं फैला रहा है। लहरें उसको बहाकर कहां ले गई होंगी, यह तो मुझे भी नहीं पता!

मेरा... मेरा कालध्वनि बह गया! समुद्र में खो गया! इस हरकत के लिए तुझे अपनी जान खोनी होगी ध्रुव!
मेरे इस अड्डे में घुसने वाले हर व्यक्ति पर चारों तरफ लगी अल्ट्रासोनिक तोपें अपने आप फिक्स हो जाती हैं। इस बार उनका निशाना तुझ पर सधा है!

अगर ये तोपें हर घुसने वाले पर अपने-आप निशाना साध लेती हैं...
...तो अब इनका निशाना ध्रुव नहीं, मैं हूं। अब दाग अपनी 'ध्वनि तोपें' और मुझे और ध्वनि ऊर्जा को सोखने का मौका दे...
...ताकि उस ऊर्जा से मैं तुझको नष्ट कर दूं!
ये... ये तो वही लड़की है! शुद्ध ध्वनिऊर्जा से बनी हुई लड़की!
ल... लेकिन इसका दिमाग तो मेरे कब्जे में था!
ताड़
बस करो नताशा! मैं इसको जेल तक पहुंचाना चाहता हूं! अस्पताल नहीं!
धड़ाक
ये... ये नताशा है! लेकिन ये तो 'साउंड कंवर्टर' में गिरकर मर गई थी। फिर ये कैसे?
ये मरी नहीं थी। बल्कि ध्वनिऊर्जा के प्राणी निनाद में परिवर्तित हो गई थी!
और अब ये अपना बदला तुझको मार कर लेना चाहती है!
अब नहीं है ध्वनिराज!
हाय! इस पर तो मेरा हर ध्वनि हथियार उल्टा असर करेगा!

हाय! मुझे पहले पता होता तो मैं इससे डरता नहीं, बल्कि 'अल्ट्रासोनिक लांचर' से इसके चिथड़े उड़ा देता!

इस स्थिति से बचने के लिए ही तो हमने ये प्लान बनाया था ध्वनिराज!

और फिर-

तुमने जो भी अपराध किया, वह निनाद के रूप में किया! इसलिए कानून नताशा को सजा नहीं देगा! तुम आजाद हो! लेकिन मैं तुमको एक बार फिर अपराध का रास्ता छोड़ देने की सलाह दूंगा, नताशा!
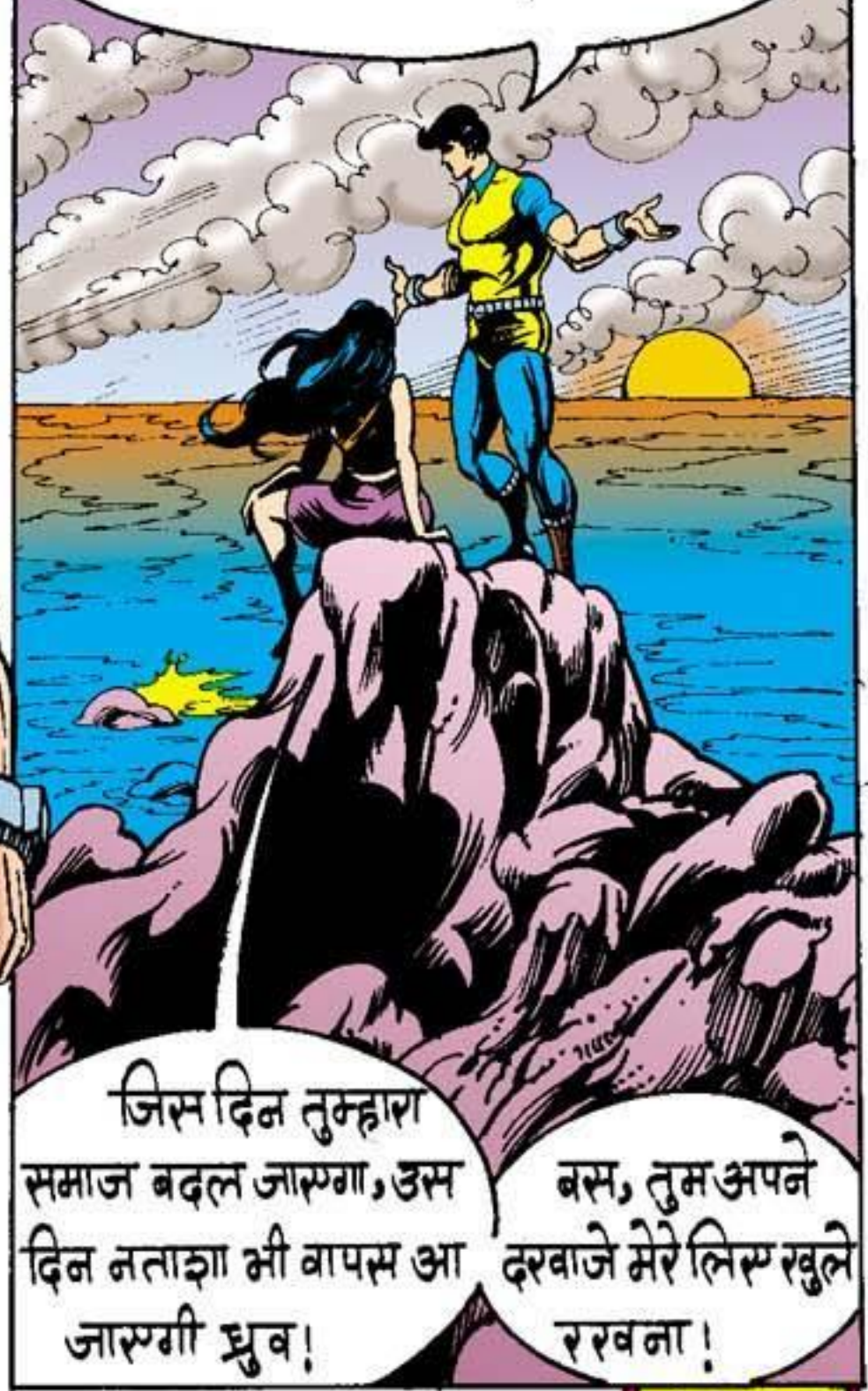
जिस दिन तुम्हारा समाज बदल जाएगा, उस दिन नताशा भी वापस आ जाएगी ध्रुव!

बस, तुम अपने दरवाजे मेरे लिए खुले रखना!

समाप्त.